तापमान
अधिकतम 28.8 डिग्री
न्यूनतम 8.8 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि
रोहतक, रविवार, 16 फरवरी 2025

11 भाजपा ने माफी ढांडा तो कांग्रेस ने सुनीता नेहरा को उतारा ...

12 मेयर चुनाव में भाजपा ने सैलजा तो कांग्रेस ने ...

करनाल में कई कबूतरबाजों और उनके सहयागियों पर कसा शिकंजा

डंकी रूट से अमेरिका भेजने पर करनाल के सुरजीत व तीन सहयोगियों पर केस

- पचास लाख रुपये खर्च करने के बाद भी नहीं सपना साकार हुआ डालर कमाने का
- सब्जियों के ट्रक में छिप कर अमेरिका गया था गुरविंदर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

पंजाब पुलिस ने अवैध रूप से डंकी रूट से अमेरिका भेजने के आरोप में करनाल के सीएचडी कालोनी निवासी सुरजीत सिंह तथा उसके सहयोगी अनिल बत्रा, सुमित और राणा के खिलाफ अपराधिक मामला दर्ज किया हैं। इसके अलावा अतिरिक्त पुलिस निदेशक हरियाणा के आदेश के बाद इन आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया हैं। पुलिस अमरीका से निर्वासित भारतीय युवाओं की शिकायत पर जांच कर रही हैं। गलत ढंग से अमरीका भेजने वाले एजेंटों तथा उनके सहयोगियों के साथ राजनीतिक और सामाजिक संगठनों के लोगों को तलाश रही हैं। जल्द ही करनाल के कई लोगों पर पुलिस और जांच ऐजेंसियों पर गाज गिर सकती हैं। कई एजेंट उनके रिश्तेदार भूमिग्रत हो चुके हैं। अमरीका द्वारा डिपोट किए गए गुरविंदर सिंह पुत्र मलकीत सिंह निवासी गांव किशनगढ़ थाना भादसो जिला पटियाला ने बताया कि उसके चार भाई हैं, जिनमें से तीन भाइयों की शादी हो चुकी है, एक भाई अविवाहित है वह सभी अलग-अलग तरह से रह रहे हैं और अपना काम खुद कर रहे हैं। उसने 11वीं कक्षा पास की है, मैं फोटोग्राफी का काम करता था। फिर वर्ष 2005 में मेरी शादी पटियाला जिले के सिवाना गांव निवासी नीला सिंह की बेटी वीरपाल कौर से हो गई, परिवार बढ़ने और फोटोग्राफी का काम खराब होने के कारण मैं वर्क परमिट लेकर 2013 में साइप्रस चली गई। जहां 5 साल बाद मैं अपनी पत्नी वीरपाल कौर को अपने साथ साइप्रस ले गया।

फिर साल 2022 में मैं अपने बच्चों को पढ़ाकर वापस भारत आ गया। मेरे पास लगभग तीन एकड़ जमीन थी, जिस पर मैं खेती नहीं कर सकता था, इसलिए मैंने अपने घर के लिए गायें पाल रखी थीं। उसकीशादी हरियाणा में एक रिश्तेदार के यहां हुई थी, जहां मेरी मुलाकात सुरजीत सिंह पुत्र कली राम निवासी सीएचडी से हुई। कॉलोनी करनाल में शादी में मिला, जिसने कहा कि वह पुरुषों को विदेश भेजता है। चूंकि मेरे बच्चे बड़े हो गए हैं और शिक्षा की लागत अधिक है, इसलिए मैंने फिर से विदेश जाने का फैसला किया। उसने सुरजीत सिंह से बात की, जिन्होंने उसे बताया कि वहं अमेरिका भेजने के लिए 50 लाख रुपये लेता है और 15-20 दिनों में विदेश भेज देता हूं, इसलिए मैंने अपनी 3 विघे जमीन जगदेव सिंह निवासी गांव सिधुवाल को, जिसकी जमीन मेरी जमीन के साथ लगती है, लगभग 18 लाख रुपये में बेच दी। 5 जून 24 को सुरजीत सिंह म उसके घर आया जिसने मेरी मां सरबजीत कौर की उपस्थिति में मुझसे 15 लाख रुपये की अग्रिम राशि ली।

सुरजीत ने 22 जून 2024 को दुबई भेजा

फिर उसके करीब 10 दिन बाद मैं अपनी मां सरबजीत कौर और फुफर के एक दूर के रिश्तेदार सकरा कैथल आठ माह लग गए अमेरिका भेजने में वादा किया था सात दिनों काहरियाणा निवासी पुनित के साथ सुरजीत सिंह पुत्र कली राम को उसके घर सीएचडी पर 30 लाख रुपये नकद देने गए। करनाल में कॉलोनी लाई गई। इस रकम में से मैंने अपने घर और बैंक से करीब 16 लाख रुपये कर्ज लिया था और कुछ रकम अपने रिश्तेदारों से ब्याज के तौर पर ली थी और सोने के गहने बेचकर कुल 45 लाख रुपये सुरजीत सिंह को दे दिए थे। सुरजीत सिंह ने सबसे पहले उसे 22 जून 2024 को दुबई भेजा, जहां से वह लगभग 45 दिनों के बाद वापस दिल्ली आ गया, जहां वह 10-15 दिनों के लिए गली नंबर 4 होटल शांति स्टे महिपालपुर दिल्ली में रुका। इसके बाद मैं अगस्त .2024 को फिर से दुबई गया, जहां सुरजीत सिंह के परिचित अनिल बत्रा और सुमित ने कॉनक्री शहर के लिए मेरी उड़ान की व्यवस्था की, जहां से एम्स्टर्डम शहर के लिए मेरी उड़ान की व्यवस्था की गई। जहां उसें रोका गया और वह सात दिनों तक एयरपोर्ट पर रहा, फिर पुलिस ने मुझे पकड़ लिया और रिटर्न टिकट लेने का निर्देश दिया। जहां से वह दिल्ली का टिकट लेकर 6 सितंबर 2024 को भारत लौटा और फिर उक्त सुरजीत सिंह को इसके बारे में बताया।

16 सितंबर को फ्लाइट से सूरीनाम पहुंचा

फिर सुरजीत सिंह के कहने पर मैं मुंबई चला गया। जहां से सुरजीत सिंह ने सूरीनाम के लिए मेरे टिकट की व्यवस्था की थी, वह 16 सितंबर को 24 को बॉम्बे से फ्लाइट द्वारा सूरीनाम पहुंचा। जहां सुरजीत सिंह के आदमी उन्हें और लगभग 20 अन्य लोगों को नावों से गुयाना ले गए, फिर गुयाना से वे हमें वाहनों में ब्राजील ले गए, जिसमें दो दिन लगे। उन्हें सब्जियों कें ट्रक में छिपा कर ले जाया गया ब्राजील से बोलीविया, पेरू, इक्वाडोर और फिर कोलंबिया तक बस से ले जाया गया जिसमें लगभग 3 दिन लगे, जहां वह लगभग 12-13 दिनों तक रहे। कोलंबिया में एजेंट सुरजीत सिंह ने मुझे राणा नाम के एक व्यक्ति का फोन नंबर दिया। व्यक्ति आपको अमेरिका जाने के लिए मार्गदर्शन करेगा, जिसके साथ उसने संपर्क किया, राणा द्वारा भेजे गए लोग हमारे पास आए और मेरे और बाकी लोगों के पासपोर्ट ले गए और हमने 25-30 लोगों को कोलंबिया से कपूरगाना द्वीप तक नाव से भेजा। इसके बाद उन्होंने हमें एक नाव में बिठाया और पनामा के जंगलों में छोड़ दिया। सुरजीत सिंह का आदमी हमें पैदल जंगल के रास्ते ले गया। जहां हम करीब 4-5 दिन तक चलते रहे। फिर पनामा से 10-10 लोगों को सब्जी की गाड़ियों में सब्जियों के बीच छिपाकर पनामा सिटी ले जाया गया. फिर हमें पनामा सिटी से कोस्टा रिका तक बस से भेजा गया, जहां हमने पूरी रात यात्रा की। फिर कोस्टा रिका से निकारागुआ तक, निकारागुआ से होंडुरास तक, होंडुरास से ग्वाटेमाला ग्वाटेमाला और मैक्सिको सीमा तक। जहां करीब 36 घंटे लग गए. हममें से 10 लोगों को तेजवाना से कार द्वारा अमेरिकी सीमा तक ले जाया गया। जहां एक घंटे बाद हमें सीमा गश्ती दल द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया और चौकी पर ले जाया गया, जहां हमें 9 दिनों तक रखा गया।

तीन मार्च 2025 को भारत भेजा गया

फिर हमें हथकड़ी लगाकर एक बस में डाल दिया गया और सैन्य शिविर में ले जाया गया, जहां से हमें एक सैन्य जहाज में तीन मार्च 2025 को भारत भेजा गया। विमान ने हमें अमृतसर हवाई अड्डे पर उतार दिया। सुरजीत सिंह ने मुझसे 45 लाख रुपये लेकर डेन्की के माध्यम से अमेरिका भेज दिया। अमेरिका जाते समय जब मैं एम्सटर्डम शहर में था तो सुरजीत सिंह ने अनिल बत्रा नामक एजेंट के फोन पर होटल बुक करने के लिए 21 हजार रुपये जमा करने को कहा. लेकिन मेरे भतीजे पुनित ने अनिल बत्रा के खाते में 21 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिये. सुरजीत सिंह ने अपने साथी एजेंट सुमित और अनिल बत्रा से भी फोन पर बातचीत की. यह व्यक्ति सुमित, सुरजीत सिंह और अनिल बत्रा मुझे फोन करते रहे और मार्गदर्शन करते रहे। सुरजीत सिंह ने अपने साथी एजेंटों सुमित और अनिल बत्रा के साथ मिलकर अमेरिका भेजने के लिए आठ महीने का समय लिया और 15-20 दिनों में अमेरिका भेजने का वादा किया।

खबर संक्षेप

जसवीर सिंह एईओ के पद पर किया ज्वाइन

कुरुक्षेत्र। डीपीआई जसवीर सिंह ने जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में एईओ के पद पर कार्य ग्रहण किया। एईओ जसवीर सिंह ने कहा कि वह जिला कुरुक्षेत्र में स्कूली क्रीडा प्रतियोगिताओं के कार्य को सुचारु ओर बेहतरीन ढंग से संचालित करने का भरपूर प्रयास करेंगे इसके लिए जसवीर सिंह ने जिला के उपस्थित सभी शिक्षक शिक्षकों से सहयोग की कामना भी की। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी संतोष शर्मा ने जसवीर सिंह को बधाई और शुभकामनाएं दी है।

दो मोटरसाइकिल सहित गिरफ्तार

अंबाला। थाना मुलाना क्षेत्र मारकंडा पुल के पास से चोरी की मोटरसाइकिल रखने के मामले में पुलिस ने आरोपी संजू खान उर्फ जर्दा को गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी जर्दा के पास दो चोरी की मोटरसाइकिल है। नाकाबंदी के दौरान ही पुलिस ने आरोपी को काबू किया है। पूछताछ के दौरान पुलिस ने आरोपी के कब्जे से दोनों बाइक जब्त की हैं।

चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना अंबाला छावनी में दर्ज चोरी के मामले में सीआईए-2 ने आरोपी समीर को गिरफ्तार किया है। आरोपी से एक अन्य मामले में चोरी की गई मोटरसाइकिल भी बरामद की है। कच्चा बाजार के रहने वाले लखविंद्र सिंह ने 13 फरवरी 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि 15 अक्तूबर 2024 को सुभाष पार्क के बाहर से आरोपी ने उसकी मोटरसाईकिल चोरी की है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

युवक ने घर में घुसकर दंपति पर किया हमला

यमुनानगर। शहर की कृष्णा कॉलोनी में बीती रात एक युवक ने घर में घुसकर दंपत्ति पर हमला कर घायल कर दिया। पुलिस ने मामले की जांच के बाद आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। कृष्णा कॉलोनी निवासी दीपा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि रात को वह अपने पति सुशील व बच्चों के साथ घर पर मौजूद थी। इस दौरान रात करीब 10 बजे यीशु नामक युवक उनके घर घुस गया। आरोपी ने आते ही उस पर तथा उसके पति पर हमला कर दिया।

ताला तोड़कर चुराए सोने व चांदी के आभूषण

यमुनानगर। शहर की रेलवे कॉलोनी में चोरों ने सूने घर का ताला तोड़कर सोने व चांदी के आभूषण चोरी कर लिए। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार रेलवे कॉलोनी निवासी अवनीश ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 12 फरवरी को शाम छह बजे वह अपने घर का ताला लगाकर किसी काम से बाहर गया था। 14 फरवरी को जब वह वापस घर लौटा तो ताला टूटा हुआ था और अंदर सामान बिखरा पड़ा था।

शादी का झांसा देकर किशोरी को किया अगवा

यमुनानगर। शहर की कृष्णा कॉलोनी से एक युवक ने शादी का झांसा देकर किशोरी को अगवा कर लिया। पुलिस ने लड़की के परिजनों की शिकायत पर आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

कार ने 2 साल की बच्ची को कुचला, मौत

पानीपत। पानीपत में एक 2 साल की बच्ची को कार ने कुचल दिया। हादसे के वक्त बच्ची अपने घर के बाहर ही खेल रही थी। मौके पर लोगों की भीड़ जमा हुई तो कार ड्राइवर खुद बच्ची और उसकी मां को अस्पताल लेकर पहुंचा। जहां डॉक्टरों ने बच्ची को मृत घोषित कर दिया। घटना का वीडियो भी सामने आया है।

समालखा में वारदात, पुलिस कर रही जांच

पत्नी से परेशान युवक ने जहरीला पदार्थ निगला, मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| समालखा

समालखा कस्बे में एक युवक ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। युवक की जेब से एक सुसाइड नोट मिला है। जिसमें उसने अपने मम्मी-पापा, बच्चों के लिए गिनी.चुनी लाइनें लिखी, लेकिन ये लाइन ही भावुक करने वाली हैं। मृतक के रिटायर्ड पिता ने सुसाइड नोट और शिकायत पुलिस को दी है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर लिया है। साथ ही आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। मृतक समालखा बिजली निगम में ठेकेदार के अंतर्गत एएलएम पद पर था। समालखा थाना पुलिस को दी शिकायत में सतबीर चालिया ने बताया कि वह हथवाला रोड का रहने वाला है। उसके बेटे रोकी राज को उसकी पत्नी मिनाक्षी और उसके परिवार के लोग बिना वजह परेशान करते रहते थे। 14 फरवरी की सुबह करीब 10 बजे रोकी अपने भाई रेयांश और बहन श्रेया के साथ घर की छत पर बैठा हुआ था। तीनों आपस में बात कर रहे थे। तभी अचानक रोकी को उल्टी हुई, तो उससे बदबू आई।

जिससे परिजनों को महसूस हुआ कि उसने कुछ जहरीला पदार्थ खाया है। करीब 11 बजे उसे एक निजी अस्पताल ले जाया गया। जहां कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई। अस्पताल में चेकिंग के दौरान उसकी जेब से एक सुसाइड नोट मिला। जिसमें उसने पूरी आपबीती लिखा हुई थी।

गल्फ फूड मेले में तरावड़ी के एक्सपोर्टर दुबई पहुंचे

गैलेक्सी बासमती चावल का गल्फ फूड मेले में लगाया जाएगा स्टाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तरावड़ी

इस साल भी दुबई में आयोजित होने वाले गल्फ फूड मेले में फिर से तरावड़ी के चावल एक्सपोर्टर अपने अपने ब्रांड के स्टाल लगाने के लिये दुबई पहुंच चुके है। वर्ल्ड ट्रैड सेन्टर दुबई में सोमवार 17 फरवरी से 21 फरवरी तक आयोजित होने वाले गल्फ फूड मेले में तरावड़ी के अधिकतर चावल व्यापारी स्टॉल लगाऐंगे। काबिलेगौर है कि दुनिया के कई देशों के लोगों को तरावड़ी के बासमती चावलों की सुगंध खूब भाती है। जिसका अंदाजा दुबई में लगे गल्फ फूड मेले में देखने को मिलता है। शहर के चावल व्यापारियों का कहना है कि ऐतिहासिक शहर तरावड़ी के चावलों की महक कई देशों की थाली में बिखरती है। तरावड़ी शहर बासमती चावलों की नगरी के नाम से मशहूर है, जिसमें विश्व भर में पहचान भी बनाई हुई है। इस बारे में दुबई मेले मे स्टाल लगाने जा रहे गैलेक्सी बासमती चावल के निर्माता व गोयल इन्टरनेशनल प्रा. लि के सीएमडी विजय गोयल व विपुल गोयल ने जानकारी दी है।

तरावड़ी। गल्फ मेले में भाग लेने वाले चावल एक्सपोर्टस जानकारी देते विजय गोयल व विपुल गोयल।

घरौंडाः चोरों ने सर्विस रोड पर दो दुकानों को खंगाला

घरौंडा। अनाज मंडी के समीप सर्विस रोड पर दो दुकानों में हुई चोरी हो गई । दुकानदार इनवर्टर बैटरी व ट्रैक्टर रिपेयर का काम करते है । चोरो ने दोनों दुकानों से लाखों रुपए के सामान पर हाथ साफकर दिया। चोरों ने थाने से सो मीटर दूरी पर दिया घटना को अंजाम दिया है । पुलिस जांच में जुटी गई है। शहर में चोरी की वारदात लगातार बढ़ती जा रहे हैं। शुक्रवार की देर रात चोरों ने सर्विस रोड पर स्थित एक इनवर्टर बैटरी व एक ट्रैक्टर मैकेनिक की दुकान में सेंध लगाकर लाखों रुपए की बैटरी व तेल इत्यादि चोरी कर लिया। दोनों दुकान पुलिस थाने से 100 मीटर की दूरी पर है। दुकानदार ने बताया कि हर रोज की तरह वह शुक्रवार की शाम को करीब 7:00 बजे अपनी दुकानों को अच्छी तरह से बंद करके गए थे और शनिवार को सुबह जब वह दुकान पर आए तो उनकी दुकानों के शटर टूटे हुए थे।

कुरुक्षेत्र। धरने पर बैठे कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

कुरुक्षेत्र में सर्व कर्मचारी संघ ने मुख्यमंत्री निवास के समक्ष दिया धरना

कुरुक्षेत्र। सर्व कर्मचारी संघ ने मांगों को लेकर मुख्यमंत्री निवास समक्ष प्रदर्शन किया। इन सब मुद्दों के साथ साथ अपने 15 सूत्रीय मांग पत्र को लेकर सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा ने राज्य प्रधान धर्मवीर फोगाट की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय कुरुक्षेत्र पर दो दिवसीय धरना शुरू किया गया है। शनिवार को कुरुक्षेत्र, करनाल, पंचकूला, अम्बाला, पानीपत, सोनीपत, फरीदाबाद, पलवल, गुरुग्राम, जींद जिलों के कर्मचारियों ने भाग लिया। रविवार 16 फरवरी को कैथल, यमुनानगर, हिसार, सिरसा, फतेहाबाद, भिवानी, दादरी, रोहतक, झज्जर, रेवाड़ी, नूंह, महेन्द्रगढ़ जिलों के कर्मचारी भाग लेंगे। धरने का संचालन महासचिव नरेश कुमार व उपमहासचिव सन्दीप सांगवान ने किया। धरने को राज्य सचिव मांगे राम तिगरा, जयवीर चहल, जगमिन्द्र, आडिटर मुकेश खरब, राज्य कमेटी सदस्य सुरेश राठी, जगमेन्द्र, रोडवेज वर्कर यूनियन के महासचिव सुमेर सिवाच, अध्यापक संघ के राज्य प्रधान प्रभु सिंह, मैकेनिकल 41 से राजेन्द्र सिंह, रिटायर्ड कर्मचारी संघ हरियाणा के राज्य प्रधान मास्टर वजीर सिंह आदि ने सम्बोधित किया।

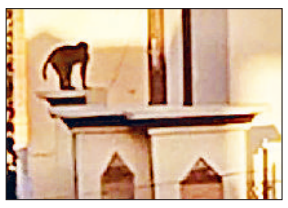

तरावड़ी शहर में बंदरों के आतंक से जीना दूभर

तरावड़ी। तरावड़ी शहर में पिछले कई दिनों से बंदरों ने आतंक मचाया हुआ है जिससे शहर के लोग काफी परेशान हैं। यह बंदर दिन भर छतों पर घूमते फिरते है और उछल कूद करते रहते हैं और लोगों को काटते हैं और छतों से कपड़े उठाकर भाग जाते हैं या कपड़े को फाड़ देते हैं। मायाराम कॉलोनी में भी बंदरों ने एक युवक पर हमला किया वह उसके हमले से बाल बाल बचा। नगर पालिका की ओर से कोई समाधान नहीं हो रहा। मायाराम कॉलोनी के कमल गर्ग, बृजमोहन, सनी गर्ग, मोहित, पंकज सतीश का कहना है कि पिछले कई दिनों से यह अचानक बंदर कॉलोनी में घुस गए हैं और छतों को ठिकाना बना लिया है।

बच्चों का संरक्षण सभी की जिम्मेदारी: अनिल लाठर

यमुनानगर। हरियाणा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य अनिल लाठर ने यमुनानगर दौरे के दौरान शनिवार को बच्चों के संरक्षण और अन्य पहलुओं पर कार्य कर रहे सभी विभागों के सदस्यों की बैठक ली। जिसमें बाल कल्याण समिति, किशोर न्याय बोर्ड, लेबर, स्वस्थ और शिक्षा विभाग के सदस्य मौजूद रहे। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास तरविंदर कौर ने आयोग सदस्य अनिल कुमार को पौधा देकर स्वागत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्जवलित कर किया गया।

आयोग सदस्य अनिल लाठर ने कहा कि बच्चों के विषय पर गंभीरता से कार्य करने के लिए सभी विभागों को संवेदनशील हो कर कार्य करना होगा। बच्चों का शोषण उनमें जागरूकता की कमी के चलते होता है। बच्चों के संरक्षण को लेकर किशोर न्याय, पोक्सो अधिनियम में सख्त प्रावधान है। सभी जिलों में बाल संरक्षण इकाई जागरूकता अभियान के माध्यम से बच्चों को जागरूक किया जा रहा है। पुलिस हेल्पलाइन 112 और चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 के बारे में सभी को जानकारी होनी चाहिए।

फर्जी स्क्रीनशॉट दिखाकर दुकानदार से ठगी करने वाले तीन धरे

कुरुक्षेत्र। जिला पुलिस ने एप्प के जरिये नकली मैसेज भेजकर दुकानदार से धोखाधड़ी करने के तीन आरोपियों जोरावर उर्फ जोरा वासी सीवन जिला कैथल, अंकुश वासी पीडल जिला कैथल व शेखर बाबा वासी सीवन जिला कैथल को प्रोडक्शन वारंट पर लेकर मामले में गिरफ्तार किया है। 10 फरवरी को थाना कृष्णा गेट पुलिस को दी अपनी शिकायत में नरेश कुमार वासी ज्योतिनगर कुरुक्षेत्र ने बताया कि उसका रोटरी चौक छोटा बाजार कुरुक्षेत्र मे जनरल स्टोर है। दिनांक 5 फरवरी 2025 की शाम को लगभग 8 बजे दो लड़के उसकी दुकान पर नोटों का हार लेने के लिये आए। जिनकी कुल पेमेंट 11 हजार रुपए थी, उन्होने हार की पेमेंट गुगल-पे के माध्यम से करने के लिये कहा। उन्होने पेमेंट करके मोबाईल मे उसे स्क्रीनशाट दिखा दिया और वो हार लेकर चले गये।

कंटेंट राइटिंग के लिए पाठकों की नब्ज पहचानना जरूरी : डॉ. जैन

यमुनानगर। डीएवी गर्ल्स कॉलेज के जनसंचार विभाग की ओर से कंटेंट राइटिंग पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें पंचकूला स्थित आईटी कंपनी ग्राजिट्टी इंटरएक्टिव की कंटेंट एसोसिएट लीड स्वाति मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज की प्रिंसीपल डॉ.मीनू जैन ने की। डॉ. मीनू जैन ने कहा कि कंटेंट राइटर्स की डिमांड दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। कंटेंट राइटिंग के लिए भाषा पर पकड़ होना बेहद जरूरी है। फ्रीलांसर के तौर पर कंटेंट राइटिंग का कार्य शुरू कर बुलंदियों को छुआ जा सकता है। उन्होंने कहा कि कंटेंट राइटिंग करते समय अपने पाठकों की नब्ज को समझें और उनके इंट्रेस्ट के मुताबिक कंटेंट जनरेट करें। मुख्य वक्ता स्वाति ने कहा कि डिजिटल युग में ऑनलाइन कमाई के बहुत सारे तरीके हैं। कंटेंट राइटिंग उनमें से एक भरोसेमंद तरीका है। लिखने के शौकीन अपने शब्दों के जरिए दूसरों को प्रभावित कर सकते हैं। इसके लिए ब्लॉग बनाकर शुरूआत की जा सकती है। उन्होंने छात्राओं से आह्वान किया कि वे रिसर्च कर बढ़िया आर्टिकल तैयार करें। अपने यूनिक आइडिया पर काम करें। इससे जहां फॉलोवर्स की संख्या बढ़ेगी, वहीं धीरे-धीरे आय भी शुरू होगी।

पाला बदला | जगाधरी की अनाज मंडी में हुआ कार्यक्रम का आयोजन

तीन बार विधायक रहे बिशनलाल सैनी का भाजपा में शामिल होने पर सीएम सैनी ने किया स्वागत

- मेयर प्रत्याशी समेत 22 वार्डों के भाजपा प्रत्याशियों को जितवाने का किया आह्वान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

तीन बार विधायक रहे बिशनलाल सैनी शनिवार को भाजपा में शामिल हो गए। नई अनाज मंडी में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बिशनलाल सैनी को भाजपा की सदस्यता दिलवाई। मौके पर मुख्यमंत्री ने निकाय चुनावों का शंखनाद करते हुए मेयर प्रत्याशी समेत सभी 22 वार्डों से भाजपा प्रत्याशियों को जितवाने का आह्वान किया। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भाजपा में शामिल पूर्व विधायक बिशन लाल सैनी, विशाल सैनी व अन्य कई नेताओं का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश व प्रदेश में जो विकास हुआ है वह किसी भी सरकार में नहीं हुआ। यही वजह है कि आज हर वर्ग भाजपा सरकार से खुश है और ज्यादा से ज्यादा लोग भाजपा में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी ने राजनीति के मायने ही बदल दिए हैं। भाजपा में जो भी शामिल हो रहे हैं उनको पार्टी में पूरा मान-सम्मान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सभी जिलों का समान रूप से विकास किया जा रहा है। हरियाणा सरकार हरियाणा एक हरियाणवी एक नीति पर सभी का समान रूप से विकास करवा रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा विकसित भारत 2047 का जो लक्ष्य रखा गया है, उसमें हरियाणा अपनी भागेदारी निभाते हुए अहम रोल अदा करेगा। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पिछले दस वर्षों में भाजपा सरकार द्वारा किए गए कार्यों को भी गिनवाया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पूर्व सरकार में मंत्री रहे कंवरपाल द्वारा अपने हल्के में किए गए विकास कार्यों को गिनवाया और उनकी सराहना की। उन्होंने कहा कि सरकार ने किसानों की सौ प्रतिशत फसलें एमएसपी पर खरीदने का फैसला लिया है। जो कि पूरे भारत में एक मिसाल है। उन्होंने कहा कि किसानों द्वारा बेची जा रही फसलों का 72 घंटों में भुगतान किया जा रहा है। सरकार लगातार किसानों के हित में कार्य कर रही है।

यमुनानगर। अनाज मंडी में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पूर्व विधायक बिशनलाल सैनी का भाजपा में स्वागत करते मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व अन्य।

जो जिम्मेदारी सौंपी जाएगी, उसको पूरी निष्ठा से निभाएंगे

भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष मोहन बडौली ने भी भाजपा में शामिल हुए बिशन लाल सैनी समेत तमाम नेताओं व कार्यकर्ताओं का स्वागत किया। भाजपा में शामिल हुए बिशनलाल सैनी ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार जताते हुए कहा कि भाजपा द्वारा उन्हें जो भी जिम्मेवारी सौंपी जाएगी, उसको पूरी निष्ठा व ईमानदारी से निभाएंगे। पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। मौके पर कृषि मंत्री श्यामसिंह राणा, यमुनानगर विधायक घनश्याम दास अरोड़ा, भाजपा के जिलाध्यक्ष राजेश सपरा, पूर्व मंत्री कंवरपाल गुर्जर, निवर्तमान मेयर मदन चौहान, पूर्व विधायक बलवंत सिंह, पूर्व विधायक ईश्वर पलाका, राजबीर बराड़ा, नीता खेड़ा, पूर्व चेयरपर्सन रोजी मलिक आनंद, एसएससी बोर्ड के पूर्व चेयरमैन भोपाल सिंह खदरी, मेयर प्रत्याशी सुमन बहमनी आदि मौजूद थे।

खबर संक्षेप

भ्रमण के दौरान बच्चों ने प्राप्त की जानकारी

रादौर। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नाचरौन के छात्रों ने शनिवार को ग्लोबल इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट का शैक्षिक भ्रमण किया। इस दौरान बच्चों ने कई तरह की एक्टिविटी में हिस्सा लेकर अपना ज्ञानवर्धन किया।

बच्चों ने ग्लोबल कॉलेज में केमिस्ट्री लैब, बायोलॉजी लैब, फिजिक्स लैब, कंप्यूटर लैब व मैकेनिकल लैब का निरीक्षण किया। बच्चों ने क्विज कंपटीशन व स्पोर्ट्स एक्टिविटी में भी भाग लिया। ग्लोबल कॉलेज के प्रधानाचार्य अश्विनी ढींगरा ने विजेता बच्चों को पुरस्कृत किया।

पुलवामा हमले में शहीद सैनिकों को दी श्रद्धांजलि

कुरुक्षेत्र। नेशनल सर्विस स्कीम और नेशनल कैडेट कोर एनआईटी कुरुक्षेत्र द्वारा 14 फरवरी को ब्लैक डे का आयोजन ओल्ड एडमिन बिल्डिंग के सामने किया गया, जिसमें 2019 पुलवामा हमले में शहीद हुए सैनिकों को श्रद्धांजलि दी गई। इस कार्यक्रम में 250 छात्रों ने भाग लिया, जो देशभक्ति और स्मरण के प्रतीक के रूप में एकजुट हुए। समारोह की शुरूआत एक औपचारिक संबोधन से हुई, जिसके बाद 40 सीआरपीएफ जवानों की शहादत को नमन करते हुए मौन रखा गया।

बलजीत कौर ने आंगनबाड़ी केन्द्रों का किया निरीक्षण

कुरुक्षेत्र। महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी बलजीत कौर ने कुरुक्षेत्र जिले के विभिन्न आंगनबाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण करके बच्चों के स्वास्थ्य के साथ-साथ अन्य सुविधाओं के बारे में जायजा लिया। जहां भी कमी पाई गई उन कमियों को दूर करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। बलजीत कौर ने गांव मोहडी में आंगनबाड़ी केन्द्र का निरीक्षण किया।

नामांकन भरने के लिए उम्मीदवार सहित आ सकते हैं चार लोग

जिला उपायुक्त ने किया नामांकन केंद्र का निरीक्षण, जांची व्यवस्था

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

जिला उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने शनिवार को जिला सचिवालय के नामांकन प्राप्ति केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि स्थानीय निकाय चुनाव के नामांकन के लिए उपायुक्त के कोर्ट, एसडीएम जगाधरी के कोर्ट, सीटीएम के कोर्ट, डीआरओ ऑफिस के कोर्ट व नगर पालिका रादौर में नामांकन कर सकते हैं।

उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने बताया कि नगर निगम यमुनानगर जगाधरी के 22 वार्डों की सीटें हैं । जिसमें वार्ड नंबर एक, वार्ड नंबर 11, वार्ड नंबर 12 व वार्ड नंबर 21 अनुसूचित जातियों से संबंधित सदस्यों के लिए आरक्षित हैं। जिसमें से वार्ड नंबर 11 व 21 अनुसूचित जाति की महिलाओं से संबंधित सदस्यों के लिए आरक्षित हैं। इसी प्रकार वार्ड नंबर तीन, वार्ड नंबर चार व वार्ड नंबर 17 पिछड़े वर्ग ए से संबंधित सदस्यों के लिए आरक्षित हैं। जिसमें से वार्ड नंबर चार पिछड़े वर्ग ए की महिला से संबंधित उम्मीदवार के लिए आरक्षित हैं। वार्ड नंबर 10 पिछड़े वर्ग बी से संबंधित सदस्य के लिए आरक्षित हैं। जो पिछड़े वर्ग बी की महिला से संबंधित सदस्य के लिए आरक्षित हैं। वार्ड नंबर नौ, वार्ड नंबर 14, 15 व 22 महिलाओं के लिए आरक्षित हैं।

यमुनानगर। जिला सचिवालय में बनाए गए नामांकन प्राप्ति केंद्र का निरीक्षण करते जिला उपायुक्त।

उपायुक्त ने बताया कि स्थानीय निकाय चुनाव के नामांकन भरने के लिए उम्मीदवार सहित 4 लोग नामांकन फार्म जमा करने के लिए आ सकते हैं। उम्मीदवार के आवेदन फार्म के सभी पृष्ठों पर हस्ताक्षर होने चाहिए। कोई भी कॉलम खाली नहीं होना चाहिए। सभी कॉलम भरे हो। अधूरे एवं अपूर्ण आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि नगर निगम यमुनानगर-जगाधरी के अतिरिक्त निगम आयुक्त को नगर निगम आम चुनाव की मतदाता सूचियों की प्रमाणित नकल प्रदान करने के लिए प्राधिकृत किया गया है। चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशी अतिरिक्त नगर निगम आयुक्त से मतदाता सूची की प्रमाणित नकल ले सकते हैं।

इस अवसर पर एसडीएम जगाधरी एवं आरओ सोनू राम, डीआरओ तरुण सहोता, नायब तहसीलदार गुलशन शर्मा आदि मौजूद थे।

यमुनानगर। स्वराज शिशु निकेतन स्कूल रादौर में आयोजित कार्यक्रम में प्रस्तुति देते बच्चे

विहान मास्टर फेयरवेल व पंखुड़ी बनी बेबी फेयरवेल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

स्वराज शिशु निकेतन स्कूल रादौर में शनिवार को विदाई पार्टी का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा चौथी कक्षा के छात्रों ने पांचवीं कक्षा के छात्रों के लिए विदाई पार्टी का आयोजन किया। मेजबान छात्रों ने पांचवीं कक्षा के छात्र-छात्राओं का तिलक लगाकर स्वागत किया। उसके पश्चात नृत्य, गायन व अन्य कार्यक्रमों द्वारा इस पार्टी में चार चांद लगाए। उन्होंने पांचवीं कक्षा के लिए जलपान का प्रबंध भी किया था। विदाई पार्टी में मास्टर फेयरवेल विहान और बेबी फेयरवेल का खिताब पंखुड़ी ने हासिल किया।

स्कूल की मुख्याध्यापिका रेनू शांडिल्य ने छात्रों को भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह दिन हमारे लिए जहां थोड़ा मुश्किल होता है, उससे ज्यादा हर्ष का भी होता है। क्योंकि छात्र अपने स्वर्णिम भविष्य के लिए कदम बढ़ाते हैं। उन्होंने सभी को आशीर्वाद दिया। अध्यापिकाओं ने छात्रों के साथ नाच-गाकर उन्हें भावमय विदाई दी। समापन अवसर पर पांचवीं कक्षा की कृतिका ने सभी का धन्यवाद किया।

अधिकारियों को दिए चुनावी ड्यूटी ईमानदारी से करने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

जिला उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने शनिवार को उपायुक्त कार्यालय में नगर निगम यमुनानगर व नगर पालिका रादौर के निकाय चुनावों को लेकर अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने अधिकारियों को चुनावी ड्यूटी निष्ठा और ईमानदारी से करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने निर्देश दिए कि सभी सेक्टर ऑफिसर को 10 से 15 बूथों का निरीक्षण करना है। निकाय चुनावों में नगर निगम यमुनानगर के 348 बूथ व रादौर नगर पालिका के 14 बूथ बनाए गए है। स्ट्रांग रूम में भी सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। उन्होंने बताया कि सभी वार्डों के बूथों पर पोलिंग पार्टियों को ले जाने के लिए छोटे व्हीकलों का इस्तेमाल किया जाएगा। निकाय चुनावों के लिए चुनाव कार्यालय में हैल्प डेस्क काउंटर खोला गया है। किसी को भी चुनाव से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी लेनी है तो इस हैल्प डेस्क नंबर पर संपर्क कर सकते है।उन्होंने बताया कि नामांकन के समय किसी भी प्रकार की त्रुटि न हो। उन्होंने बताया कि एक भी आवेदन रद्द न हो। उन्होंने बताया कि चुनावों से संबंधित सभी कार्य समय रहते पूरा कर लें। एनआईसी में रिर्पोटिंग के लिए कंट्रोल रूम बनाया गया है। हर दिन रिर्पोटिंग का शेड्यूल जारी करें। उन्होंने बताया कि निकाय चुनावों के लिए नोडल अधिकारी अतिरिक्त उपायुक्त नवीन आहुजा को बनाया गया है। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक राजीव देसवाल, नगर निगम आयुक्त आयुष सिन्हा, अतिरिक्त उपायुक्त नवीन आहुजा, एसडीएम जगाधरी सोनू राम, एसडीएम रादौर नरेंद्र कुमार, सीटीएम पीयूष गुप्ता, डीआईओ विनय गुलाटी, डीआईपीआरओ डॉ. मनोज कुमार व नायब तहसीलदार चुनाव गुलशन शर्मा आदि अधिकारी मौजूद थे।

यमुनानगर। जिला सचिवालय में अधिकारियों की बैठक लेते उपायुक्त।

विद्यार्थियों को क्लाउड कंप्यूटिंग में करियर बनाने के बारे में विस्तार से दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

जेएमआईटी इंजीनियरिंग कॉलेज में शनिवार को बीटेक कंप्यूटर साइंस व आईटी बीसीए अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए एडब्ल्यूएस क्लाउड व सेल्सफोर्स पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किया गया। जिसका उद्देश्य क्लाउड कंप्यूटिंग व आईटी उद्योग में करियर के अवसरों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करना था। व्याख्यान का संचालन अभाष कुमार नेटवर्क एंड क्लाउड कंसल्टेंट डुकाट इंडिया गुरुग्राम द्वारा किया गया। उन्होंने एडब्ल्यूएस क्लाउड सर्टिफिकेशन के महत्व को समझाया और बताया कि यह आईटी क्षेत्र में करियर बनाने के लिए एक शानदार अवसर है। उन्होंने क्लाउड सपोर्ट सॉल्यूशंस आर्किटेक्ट डेवऑप्स और क्लाउड कंसल्टेंट जैसी भूमिकाओं पर चर्चा की। जो क्लाउड इन्फ्रास्ट्रक्चर, नेटवर्किंग, सुरक्षा और सिस्टम प्रबंधन पर केंद्रित हैं। सत्र में क्लाउड सेल्स, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट व बिजनेस एनालिसिस जैसी गैर प्रोग्रामिंग भूमिकाओं पर भी चर्चा की गई। जिससे छात्र बिना गहरी कोडिंग जानकारी के भी क्लाउड कंप्यूटिंग में करियर बना सकते हैं। जेएमआईटी के निदेशक डॉ. एसके गर्ग ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि क्लाउड कंप्यूटिंग आज के आईटी उद्योग में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। ऐसे विशेषज्ञ व्याख्यान छात्रों को शैक्षणिक और उद्योग जगत के बीच की खाई को पाटने में मदद करते हैं। यह कार्यक्रम छात्रों के लिए अत्यधिक लाभदायक साबित हुआ। जिससे उन्हें तकनीकी ज्ञान और उद्योग से जुड़े महत्वपूर्ण अनुभव प्राप्त हुए। जो उनके भविष्य के करियर निर्माण में सहायक होंगे। मौके पर डॉ. गौरव शर्मा, डॉ. विकास जुनेजा, डॉ. नवदीप, डॉ. सविता शर्मा, इंजीनियर कपिल व इंजीनियर निशी मिधा उपस्थिति रहे।

यमुनानगर। रादौर स्थित जेएमआईटी इंजीनियरिंग कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में जानकारी देते मुख्यवक्ता।

टीडीटीआर डीएवी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोथेरेपी एंड रिहैबिलिटेशन में सौर ऊर्जा संयंत्र का हुआ उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

टीडीटीआर डीएवी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोथेरेपी एंड रिहैबिलिटेशन में शनिवार को सौर ऊर्जा संयंत्र का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में आईएसजीईसी के कार्यकारी अधिकारी प्रदीप सैनी उपस्थित हुए। मुख्यातिथि ने रिबन काटकर सौर ऊर्जा संयंत्र का उद्घाटन किया। इस अवसर पर डीएवी स्कूल के चेयरमैन विजय कपूर ने मुख्यातिथि का स्वागत किया। उन्होंने अपने योगदान के लिए आईएसजीईसी की सराहना की। उन्होंने शैक्षणिक संस्थानों में हरित ऊर्जा समाधानों के महत्व पर जोर दिया। टीडीटीआर डीएवी को पर्यावरण की दृष्टि से अधिक जिम्मेदार परिसर बनाने में समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने स्वस्थ वातावरण के लिए टीडीटीआर डीएवी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोथेरेपी को सौर ऊर्जा संयंत्र प्रदान करने और इस संस्थान को सुचारू रूप से चलाने के लिए बिजली शुल्क के बोझ को कम करने के लिए आईएसजीईसी के अध्यक्ष रंजीत पुरी और एमडी आदित्य पुरी की सराहना की। उन्होंने कहा कि डीएवी संस्थाओं में शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के विकास के लिए उनके योगदान को नहीं भुलाया जा सकता। इस अवसर पर प्रदीप सैनी ने स्वच्छ ऊर्जा और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए आईएसजीईसी के समर्पण पर प्रकाश डाला। उन्होंने सौर ऊर्जा को अपनाने में संस्थान की पहल की सराहना की। टीडीटीआर डीएवी संस्थान के प्राचार्य डॉ. हिमांशु शेखर बेहरा ने आईएसजीईसी और उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों को धन्यवाद देते हुए कहा यह सौर ऊर्जा संयंत्र स्थिरता की दिशा में हमारे संस्थान की यात्रा में एक नया अध्याय जोड़ता है। यह छात्रों और शिक्षकों के लिए पर्यावरण अनुकूल प्रथाओं को अपनाने के लिए एक प्रेरणा के रूप में काम करेगा। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा को कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए एक स्वच्छ वैकल्पिक ऊर्जा स्त्रोत माना जाता है।

यमुनानगर। सौर ऊर्जा संयंत्र का उद्घाटन करते मुख्यातिथि।

तिलक लगाकर छात्रों को दिया आशीर्वाद

कुरुक्षेत्र। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की शनिवार को आरम्भ हुई परीक्षा में यूनिवर्सिटी सीनियर सेकेंडरी मॉडल स्कूल में परीक्षा के लिए आएं छात्रों का भारतीय रीति रिवाज के साथ तिलक लगाकर स्वागत किया और आशीर्वाद दिया। शनिवार से केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की वार्षिक परीक्षा आरम्भ हुई है। यूनिवर्सिटी सीनियर सेकेंडरी मॉडल स्कूल में गुरुकुल कुरुक्षेत्र और गुरुकुल ज्योतिसर के छात्रों का परीक्षा केंद्र बना है। परीक्षा आरम्भ होने से पहले परीक्षा के संदर्भ में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। बताया गया कि परीक्षा का सफल आयोजन किस प्रकार करना है। छात्रों को किस प्रकार परीक्षा के दिशा निर्देश देने है। सभी शिक्षकों ने छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इसके साथ-साथ स्कूल के छात्रों को गीता निकेतन आवासीय विद्यालय में बने परीक्षा केंद्र में आशीर्वाद दिया गया।

बीज उत्पादन एवं परीक्षण विषय पर किसानों को दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय हिसार के बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से शनिवार को गांव मंधार में गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन एवं परीक्षण विषय पर कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग तथा कृषि विज्ञान केंद्र, दामला के वैज्ञानिकों ने किसानों को प्रशिक्षण दिया। बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अध्यक्ष डॉ.वीरेंद्र सिंह मोर ने बीज परीक्षण की विभिन्न विधियों की जानकारी दी। डॉ.अक्षय भूकर ने बीज की विभिन्न श्रेणियों और बीज उत्पादन के सिद्धांतों पर प्रकाश डाला। डॉ.देवेंद्र सिंह ने प्राकृतिक खेती एवं जैविक बीज उत्पादन के महत्व और तकनीकों पर किसानों को प्रशिक्षित किया। कृषि विज्ञान केंद्र दामला से डॉ.संदीप रावल ने गन्ने के बीज उत्पादन पर विस्तृत जानकारी दी जबकि डॉ.विशाल गोयल ने बीज उत्पादन के दौरान पोषक तत्वों के प्रबंधन पर व्याख्यान दिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान किसानों को गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन एवं परीक्षण की उन्नत तकनीकों की जानकारी देने के साथ-साथ खरीफ फसलों एवं फल-फूल खेती की उन्नत कृषि विधियों से संबंधित पुस्तकें वितरित की गई ।

यमुनानगर। आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीणों को जानकारी देते कृषि अधिकारी।

स्वच्छता अभियान में हर शहरवासी करे प्रशासन का सहयोग : यादव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में अपना बेहतर रैंक बनाने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा अनाज मंडी में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान निगमायुक्त आयुष सिन्हा के निर्देशों पर नगर निगम की टीम ने लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। अतिरिक्त निगम आयुक्त डॉ.विजय पाल यादव ने कहा कि हमारा शहर साफ, सुंदर व स्वच्छ बने, इसके लिए हर शहरवासी को निगम के इस अभियान में अपना सहयोग देना चाहिए। यदि शहर साफ-सुथरा होगा तो हम सभी स्वस्थ रहेंगे। यदि हम स्वस्थ रहेंगे तो समाज व देश के विकास में भी अपना बेहतर योगदान दे सकेंगे। सीएसआई सुनील दत्त के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में निगम की टीम ने लोगों को वेस्ट कपड़ों के थैले बनाने और उनमें बाजार से सामान लाने, रसोई वेस्ट से कम्पोस्ट पिट के माध्यम से खाद बनाकर रूप गार्डनिंग करने और सूखा व गीला कचरा अलग अलग कर निगम के वाहनों में डालने के प्रति जागरूक किया। सीएसआई सुनील दत्त ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को साफ-सफाई, स्वच्छता, सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल न करने व खुले में कचरा न डालने के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में मीनाक्षी ने लोगों को किचन वेस्ट से कम्पोस्ट पिट का प्रयोग कर खाद बनाकर रूफ गार्डनिंग करने के लिए प्रेरित किया। कविता व आरती ने बाजार से समान लाने के लिए कपड़े के थैले का प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया।

यमुनानगर। यमुनानगर की अनाज मंडी में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में लोगों को जागरूक करती निगम की टीम।

सरकारी स्कूल में नगर निगम ने किया जागरूकता कार्यक्रम

अर्शिता पेंटिंग तो पीहू भाषण प्रतियोगिता में अव्वल

- रैली निकालकर ग्रामीणों को सफाई के प्रति किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

स्वच्छ सर्वेक्षण में नगर निगम को बेहतर रैंकिंग दिलवाने को लेकर नगर निगम द्वारा पुरानी सब्जी मंडी स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें छात्राओं ने रैली, नाटक, वेस्ट टू आर्ट, मॉडल मेकिंग, वेस्ट आउट ऑफ बेस्ट, भाषण प्रतियोगिता, पोस्टर मेकिंग, कम्पोस्ट पिट वर्कशॉप और श्रमदान कार्यक्रम हुए। निगमायुक्त आयुष सिन्हा के निर्देशों पर हुए इस कार्यक्रम में छात्राओं ने रैली निकालकर शहरवासियों को खुले में कचरा न फेंकने, घर व दुकान से सूखा व गीला कचरा अलग अलग करके निगम के वाहन में डालने, पॉलिथीन का इस्तेमाल न करने आदि के बारे में जागरूक किया। छात्राओं ने नाटक के माध्यम से अपने आस पास साफ सफाई रखने का भी संदेश दिए। भाषण प्रतियोगिता में पीहू प्रथम, रिया द्वितीय और सानिया को तृतीय स्थान रहा। बेस्ट आऊट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिता में आयुषी प्रथम, चाहत द्वितीय और संध्या को तृतीय स्थान पर रही। मॉडल प्रतियोगिता में मेहफ्रिन ने प्रथम, रिया ने द्वितीय और प्रतिज्ञा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। श्रमदान में सिमरन प्रथम, सोनिया द्वितीय और माही ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। । सीएसआई सुनील दत्त ने छात्राओं द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 के तहत नगर निगम को दिए गए सहयोग की प्रशंसा की। उन्होंने सभी स्कूलों को इस प्रकार के आयोजन कर लोगों को स्वच्छता अपील की ताकि सभी स्कूल स्वच्छ सर्वेक्षण में नगर निगम को सहयोग देकर सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग दिलवाने में सहयोग कर सके। आईईसी एक्सपर्ट पूजा अग्रवाल व शशी गुप्ता ने घरों में कम्पोस्ट पिट का प्रयोग किचन वेस्ट से खाद बनाने की जानकारी भी दी। सीएसआई सुनील दत्त में स्कूल प्रधानाचार्य को स्मृति चिन्ह देकर नगर निगम को सहयोग देकर धन्यवाद किया। मौके पर विमल ग्रोवर, संगीता, भारती शर्मा, रेखा शर्मा, प्रवीण, ऋतु रानी, रिंकी देवी, सुखविंदर, सेल्फ हेल्प गुरप की महिलाएं कविता, बबिता व मान्या आदि मौजूद रहें।

यमुनानगर। यमुनानगर के पुरानी सब्जी मंडी स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में छात्राओं द्वारा बनाए मॉडल देखते निगम अधिकारी व अन्य।

विद्यार्थियों को मेडल देकर किया सम्मानित

पेंटिंग प्रतियोगिता में अर्शिता ने प्रथम, सपना ने द्वितीय और साधना ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर प्रतिभागियों करने वाले को विद्यार्थियों को प्रशंसा पत्र देकर और विजेताओं को मेडल पहना सम्मानित किया। इससे पूर्व सीएसआई सुनील दत्त, आईईसी एक्सपर्ट पूजा अग्रवाल, स्वच्छ भारत मिशन शहरी के ब्रांड एंबेसडर शशी गुप्ता आदि ने छात्राओं को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया

खबर संक्षेप

पुलवामा हमले में शहीद सैनिकों को दी श्रद्धांजलि

कुरुक्षेत्र। नेशनल सर्विस स्कीम और नेशनल कैडेट कोर एनआईटी कुरुक्षेत्र द्वारा 14 फरवरी को ब्लैक डे का आयोजन ओल्ड एडमिन बिल्डिंग के सामने किया गया, जिसमें 2019 पुलवामा हमले में शहीद हुए सैनिकों को श्रद्धांजलि दी गई। इस कार्यक्रम में 250 छात्रों ने भाग लिया, जो देशभक्ति और स्मरण के प्रतीक के रूप में एकजुट हुए। समारोह की शुरूआत एक औपचारिक संबोधन से हुई, जिसके बाद 40 सीआरपीएफ जवानों की शहादत को नमन करते हुए मौन रखा गया।

बलजीत कौर ने आंगनबाड़ी केन्द्रों का किया निरीक्षण

कुरुक्षेत्र। महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी बलजीत कौर ने कुरुक्षेत्र जिले के विभिन्न आंगनबाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण करके बच्चों के स्वास्थ्य के साथ-साथ अन्य सुविधाओं के बारे में जायजा लिया। जहां भी कमी पाई गई उन कमियों को दूर करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। जिला कार्यक्रम अधिकारी बलजीत कौर ने गांव मोहडी में आंगनबाड़ी केन्द्र का निरीक्षण किया।

विद्यार्थियों ने किया सूर्य नमस्कार का अभ्यास

कुरुक्षेत्र। झांसा रोड कुरुक्षेत्र में स्थित जनता स्कूल के विद्यार्थियों को मनें सहित सूर्य नमस्कार का अभ्यास हरियाणा योग आयोग के वरिष्ठ सदस्य डॉ मनीश कुकरेजा द्वारा करवाया गया। छोटे व बड़े बच्चों ने बड़ी एकाग्रता से मन्त्रोच्चारण सहित सूर्य नमस्कार का अभ्यास सीखा व किया। जनता स्कूल की प्रधानाचार्या राज बाला के निर्देशन में तथा स्टाफ सदस्यों मांगे राम, ज्ञान चंद, सलिंद्र सिंह, निर्मल व अंकुर ने कार्यक्रम को व्यवस्थित रूप से करवाने में अपना सक्रिय सहयोग दिया।

तिलक लगाकर छात्रों का स्वागत कर दिया आशीर्वाद

कुरुक्षेत्र। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की शनिवार को आरम्भ हुई परीक्षा में यूनिवर्सिटी सीनियर सेकेंडरी मॉडल स्कूल में परीक्षा के लिए आएं छात्रों का भारतीय रीति रिवाज के साथ तिलक लगाकर स्वागत किया और आशीर्वाद दिया। शनिवार से केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की वार्षिक परीक्षा आरम्भ हुई है। यूनिवर्सिटी सीनियर सेकेंडरी मॉडल स्कूल में गुरुकुल कुरुक्षेत्र और गुरुकुल ज्योतिसर के छात्रों का परीक्षा केंद्र बना है। परीक्षा आरम्भ होने से पहले परीक्षा के संदर्भ में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

थानेसर नप चेयरपर्सन चुनाव : समर्थकों में खुशी की लहर

भाजपा ने माफी ढांडा तो कांग्रेस ने सुनीता नेहरा को उतारा मैदान में

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

थानेसर नगर परिषद चेयरपर्सन के लिए भारतीय जनता पार्टी ने माफी ढांडा को मैदान में उतारा है। उनके नाम की घोषणा पार्टी की ओर से शुक्रवार देर रात जारी की गई। इसके साथ ही उनके समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। माफी ढांडा पार्टी की सक्रिय सदस्य हैं। हालांकि वह गृहिणी महिला हैं लेकिन पार्टी के महिला मोर्चा से जुड़ी हैं। उन्हें अपने पति मलकीत ढांडा के पूर्व राज्य मंत्री सुभाष सुधा के करीबी होने का भी फायदा मिला है। मलकीत ढांडा छात्र जीवन से ही अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़े रहे हैं तो वहीं भारतीय जनता पार्टी में अपने क्षेत्र मोहन नगर के शक्ति केंद्र प्रमुख भी रहे हैं। यही नहीं वे पार्टी के एससी मोर्चा के मंडल अध्यक्ष भी रहे हैं। यही नहीं पूर्व राज्य मंत्री सुभाष सुधा के करीबी माने जाते हैं। ऐसे में यह भी माना जा रहा है कि उन्होंने एक बार फिर अपने मनपसंद प्रत्याशी घोषित करवाकर अपना कद दिखाया है। बता दें कि भाजपा की ओर से ही चेयरपर्सन पद के लिए अभी तक प्रत्याशी घोषित किए गए है। यह भी बता दें कि थानेसर नगर परिषद चेयरपर्सन का पद पहली बार एससी महिला वर्ग के लिए आरक्षित हुआ है।

कुरुक्षेत्र। माफी ढांडा का मुंह मीठा करवाते पूर्व राज्य मंत्री सुभाष सुधा।

सुनीता को जीताने के लिए कार्यकर्ताओं ने कसी कमर

कुरुक्षेत्र। कांग्रेस पार्टी ने सुनीता नेहरा को थानेसर नगर परिषद चेयरपर्सन पद का उम्मीदवार बनाया है। सुनीता नेहरा कांग्रेस महिला विंग की प्रदेश उपाध्यक्ष और थानेसर नगर परिषद की पूर्व उपाध्यक्ष है। सुनीता नेहरा को नगर परिषद थानेसर के अध्यक्ष पद का उम्मीदवार घोषित किए जाने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने खुशी जाहिर की है व सुनिता को जीताने के लिए कमर कस ली है। बता दे कि भाजपा ने थानेसर नगर परिषद से माफी ढांडा को उम्मीदवार घोषित किया है। इस प्रकार थानेसर नगर परिषद में माफी ढांडा व सुनीता नेहरा के बीच अध्यक्ष पद को लेकर मुकाबला होगा।

13 वार्डों से 16 प्रत्याशियों ने भरा नामांकन

जिला नगर आयुक्त सतेन्द्र सिवाच ने कहा कि नगर परिषद थानेसर के 13 वार्डों से 16 प्रत्याशियों ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया है। इसके साथ ही इस्माइलाबाद उप चुनाव में प्रधान पद के लिए एक प्रत्याशी ने नामांकन पत्र भरा है। जबकि लाडवा के वार्ड नंबर 11 से किसी भी प्रत्याशी ने नामांकन पत्र दाखिल नहीं किया है। अहम पहलु यह है कि थानेसर नगर परिषद से अब तक कुल 24 प्रत्याशी नामांकन पत्र दाखिल कर चुके है। डीएमसी सतेन्द्र सिवाच ने कहा कि थानेसर नगर परिषद के वार्ड 4 से धन सिंह, वार्ड 6 से सोनिया रानी, वार्ड 12 से हरनेक सिहं व प्रिंस, वार्ड नंबर 13 से रविन्द्र कुमार व जय भगवान, वार्ड 14 से शारदा कुमारी, वार्ड 17 से कुलदीप कुमार, वार्ड 18 से राजेश कुमार, वार्ड 20 से महेश व नीरू, वार्ड 21 से नेहा गुप्ता, वार्ड 26 से चेतना, वार्ड 25 से रामपाल, वार्ड 28 से विजय लक्ष्मी, वार्ड 30 से नरेन्द्र कुमार ने नामांकन पत्र भरा है।

भाजपा ने थानेसर के 32 वार्डो से प्रत्याशी किए घोषित

कुरुक्षेत्र। नामांकन दाखिल करते प्रत्याशी।

वार्ड 1- गौरव कुमार	वार्ड 17-प्रेम नारायण अवस्थी
वार्ड 2- प्रवीन रानी	वार्ड 18-श्याम लाल सिंगला
वार्ड 3- सिमरन	वार्ड 19- मुकन्द लाल
वार्ड 4- कमल किशोर	वार्ड 20- मनिंद्र सिंह छिंदा
वार्ड 5-संदीप कोहली	वार्ड 21-एकता गोयल सिकरी
वार्ड 6-ज्योति	वार्ड 22-चेतन
वार्ड 7-निशा मदान	वार्ड 23-गुरजीत सिंह सैनी
वार्ड 8- सतीश कुमार गर्ग	वार्ड 24-पूजा यादव
वार्ड 9- मणक सिंह	वार्ड 25-आशु बाला
वार्ड 10-पंकज खन्ना	वार्ड 26-प्रिया नारंग
वार्ड 11-सुषमा मेहता	वार्ड 27-धनराज
वार्ड 12-दरबारा सिंह सैनी	वार्ड 28-रेखा
वार्ड 13-दुष्यंत हरयाल बख्शी	वार्ड 29- रामराज कौशिक
वार्ड 14-बक्शीश कौर सैनी	वार्ड 30- वेद प्रकाश
वार्ड 15- मोहन लाल अरोड़ा	वार्ड 31- कवि बजाज
वार्ड 16-सरिता देवी	वार्ड 32- सुधीर चुघ

देश को समृद्ध और खुशहाल बनाने के लिए युवा पीढ़ी का रहेगा अहम योगदान : सुभाष

कुरुक्षेत्र। स्टेज पर प्रस्तुति देते बच्चे।

- पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा व डीएसडब्लयूओ सुरजीत कौर ने सेंट थॉमस स्कूल के वार्षिक उत्सव का किया शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि देश को समृद्ध और खुशहाल बनाने के लिए युवा पीढ़ी का अहम योगदान रहेगा। इसलिए देश की भावी पीढ़ी को अच्छी शिक्षा और संस्कार देने की जरूरत है। इस कार्य को सेंट थॉमस जैसी शैक्षणिक संस्थाएं बखूबी कर रही है। इस स्कूल के विद्यार्थी शिक्षा, खेल कूद और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हमेशा सराहनीय प्रदर्शन कर रहे है। पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा शनिवार को मल्टी आर्ट कलचर सेंटर के सभागार में सेंट थॉमस कान्वेंट स्कूल के वार्षिक उत्सव के दूसरे चरण के कार्यक्रम का शुभारंभ करने के उपरांत विद्यार्थियों को सम्बोधित कर रहे थे। इससे पहले पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, जिला समाज कल्याण अधिकारी सुरजीत कौर, सेंट थॉमस कान्वेंट स्कूल की एमडी अंजलि मरवाह, एमडी संदीप मरवाह, कार्तिकेय मरवाह, स्कूल कोरदीनेटर रजनी ,सुखविन्द्र बिन्द्रा व समाजसेवी पंकज अरोड़ा ने सेंट थॉमस कान्वेंट स्कूल के अलग-अलग चरणों के वार्षिक उत्सव का विधिवत रूप से शुभारंभ किया। इस दौरान मुख्य अतिथि ने सेंट थॉमस कान्वेंट स्कूल के प्री-प्राइमरी कक्षाओं के विद्यार्थियों को प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर आने के लिए प्रशंसा पत्र व मेडल देकर सम्मानित किया।

सतलुज स्कूल ने हॉकी प्रतियोगिता में जीता सोना

शाहबाद। सतलुज सीनियर सेकेंडरी स्कूल की पांचवी कक्षा की छात्राओं दिवजोत और सोनाक्षी ने फार्मस स्पोर्ट्स क्लब सिरसा में हुई अंडर-14 हॉकी प्रतियोगिता में खेलते हुए गोल्ड पदक जीतकर स्कूल का नाम रोशन किया। स्कूल प्राचार्य डॉ. आर. एस. घुम्मन व कोच गुरप्रीत ने कहा की इस दोनों छात्राओं ने इस प्रतियोगिता में बहुत ही अच्छा प्रदर्शन करके यह स्थान प्राप्त किया है। स्कूल पहुंचने पर इन दोनों छात्राओं का फूलमाला पहनाकर स्वागत किया गया। स्कूल के प्राचार्य और सभी स्टॉफ सदस्यों ने उन्हें और उनके अभिभावकों को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

स्वर्ण पदक विजेता तपस्या का किया स्वागत

- आई.जी.एन.कालेज की छात्रा ने कुश्ती में किया शानदान पदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लाडवा

आई.जी.एन.कालेज की तपस्या ने कुश्ती में स्वर्ण पदक जीतकर राष्ट्रीय चैंपियन बन गई है। तपस्या ने स्वर्ण पदक उत्तराखंड में आयोजित 38वे राष्ट्रीय खेलों के कुश्ती महिला मुकाबले में 57 किलोग्राम भार वर्ग में जीता है। तपस्या हरियाणा राज्य का प्रतिनिधित्व कर रही थी। स्वर्ण पदक जीतकर तपस्या ने न केवल कालेज का नाम रोशन किया, बल्कि अपने माता-पिता का नाम भी रोशन किया है। यह जानकारी शनिवार को कालेज के प्राचार्य डा.कुशल पाल ने दी। उन्होंने बताया कि कालेज में पहुंचने पर स्वर्ण पदक विजेता तपस्या का जोरदार स्वागत किया जाएगा। उन्होंने बताया कि तपस्या के लगातार कुश्ती में अच्छे प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें हाल ही में हरियाणा राज्य द्वारा हरियाणा बाल कुमारी के सम्मान से भी नवाजा गया था और यह सम्मान प्राप्त करने वाली तपस्या कालेज की पहली छात्रा बनी थी। उन्होंने बताया कि कुछ दिन पहले तपस्या ने थाईलैंड के राचा शहर में आयोजित जूनियर एशियाई चैंपियनशिप के 57 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक प्राप्त किया था। अब तपस्या सीनियर मुकाबलों में भी अपना दमखम दिखा रही हैं और राष्ट्रीय स्तर स्तर के मुकाबलों में भी लगातार स्वर्ण पदक प्राप्त कर रही है।

कन्या भ्रूण हत्या में संलिप्त लोगों की खैर नहीं: डा. सुखबीर सिंह

कुरुक्षेत्र। जिला सिविल सर्जन डा. सुखबीर सिंह ने कहा कि कुरुक्षेत्र जिले में कन्या भ्रूण हत्या में संलिप्त लोगों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। इस जिले में अल्ट्रासाउंड केन्द्रों पर पैनी निगाहें रखी जा रही है और जो भी व्यक्ति इस मामले से जुड़ा है उस पर नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। सीएमओ डा. सुखबीर सिंह एलएनजेपी अस्पताल के सिविल सर्जन कार्यालय में पीसीपीएनडीटी एक्ट की मीटिंग को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उपायुक्त नेहा सिंह के आदेशानुसार कुरुक्षेत्र के लिंगानुपात में सुधार लाने का लगातार प्रयास किया जा रहा है। इन प्रयासों के चलते कई लोगों को कन्या भ्रूण हत्या के मामले में संलिप्त पाए जाने पर पकड़ा भी गया है और एफआईआर भी दर्ज की गई है।

ऐतिहासिक गुरुद्वारा साहिब पातशाही छठी में पहुंचे हरियाणा गुरुद्वारा जुडिशल कमीशन मेंबर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

हरियाणा गुरुद्वारा जुडिशल कमिशन के मेंबर व पूर्व एडिशनल एडवोकेट जनरल (हरियाणा) जसमीत सिंह बेदी यहां ऐतिहासिक गुरुद्वारा साहिब पातशाही छठी में नतमस्तक होने के लिए पहुंचे। हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी के नवनिर्वाचित मेंबर कुलदीप सिंह मुल्तानी पिहोवा, सुखजिंदर सिंह मसाना प्रधान गुरुद्वारा सिंह सभा सेक्टर 3, अमीर सिंह समाजसेवी व सिख संगत ने उनका स्वागत किया। इस दौरान कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी कुंटिया की दूसरी बार प्रधान बनी रजवंत कौर को भी सम्मानित किया गया। मुलाकात के दौरान जसमीत सिंह बेदी ने बताया की हरियाणा सिख गुरुद्वारा जुडिशल कमिशन का गठन 24 अक्टूबर 2024 को किया गया था तथा सभी मेंबर्स ने 28 अक्टूबर 2024 से कार्यभार संभाल लिया था। हालांकि अभी जुडिशल कमिशन का कार्यालय बनना है, मगर कार्यभार संभालते ही जुडिशल कमिशन अस्तित्व में आ गया है। इसलिए किसी भी प्रकार की संगत की शिकायत जो कि गुरुद्वारा साहिब की चल-अचल संपत्ति या गुरुद्वारा फंड के उपयोग या दुरुपयोग से संबंधित हो, वह कमीशन में फाईल की जा सकती है।

बच्चों को मीठा कम खाने की दी हिदायत

कुरुक्षेत्र। बच्चों के दांतों का चेकअप करते डा. दीपक अग्रवाल।

कुरुक्षेत्र। अग्रवाल डेंटल क्लीनिक के द्वारा फ्री डेंटल चेकअप कैंप बाबा सिद्ध नाथ इंटरनेशनल स्कूल में लगाया गया। इसमें डॉ. दीपक अग्रवाल व टीम डॉ सेजल वाधवा, डॉ. ताण्या कक्कड़ के द्वारा 550 बच्चों के दांतों की जांच की गई और फ्री टुथपेस्ट, टुथब्रश और पेनकिलर्स दिए गए। बच्चों को मीठा कम खाने की हिदायत दी गई और खाना खाने के बाद मुंह करने को कहा गया। साथ में 2 बार ब्रश सुबह और रात को करने की सलाह दी गई। डॉ दीपक अग्रवाल ने मुँह और उससे जुड़ी हुई बीमारी और उनके रोकथाम के लिए बच्चों को बताया और ब्रस ठीक तरीके से करना सिखाया।

पार्टी उम्मीदवारों के पक्ष में करेंगे धुंआधार प्रचार : वर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

भारतीय जनता पार्टी के नगर परिषद की चेयरपर्सन सहित सभी उम्मीदवारों की जीत के लिए एक- तरफा माहौल तैयार करने के उद्देश्य से सभी 32 वार्डों में बड़े नेताओं , पार्टी पदाधिकारियों और ज्येष्ठ - श्रेष्ठ कार्यकतार्ओं द्वारा धुआंधार प्रचार किया जाएगा।उक्त वक्तव्य बीजेपी नेता और भाजपा कला व सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के जिला संयोजक अनिल वर्मा ने दिया। अनिल वर्मा ने कहा टिकट की दावेदारी के पश्चात जिन उम्मीदवारों को पार्टी ने चुनाव लड़ने के लिए चुना है उनको शुभकामनाएं देने के साथ-साथ सबके द्वारा पूरी तरह से समर्थन दिया जाएगा ताकि आगामी 12 मार्च को एक बार फिर थानेसर सहित पूरे प्रदेश में कमल खिलने की खुशी में जश्न मनाया जा सके।अनिल वर्मा ने कहा कि पूर्व मंत्री सुभाष सुधा, भाजपा जिला अध्यक्ष सुशील राणा,पूर्व चेयरपर्सन उमा सुधा,युवा नेता साहिल सुधा सहित सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता 2 मार्च को वोटिंग वाली तारीख तक दिन रात एक करते हुए कमल खिलाने के मिशन में जुट जाएंगे। अनिल वर्मा ने कहा कि सोमवार 17 मार्च को सभी प्रत्याशियों के नामांकन के दिन भी भारी संख्या जनसमूह नामांकन स्थल से तय शुदा दूरी पर उपस्थित रहेगा।

सेमीफाइनल में केयूके स्टार ने मारी बाजी

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के केयू सीनियर सेकेंडरी मॉडल स्कूल के खेल मैदान में खेले गए गैर-शिक्षक अनौपचारिक प्रतियोगिता के मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए केयूके स्पार्टन ने निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 162 रन का लक्ष्य विपक्षी टीम को दिया। मैच में कप्तान हरीश गैरोला ने 37 व शिव शर्मा ने 34 रन बनाए। केयूके स्टार की ओर से कपिल थापा ने 3, दीपक व जोनी वत्स ने 1-1 विकेट लिया। वहीं लक्ष्य का पीछा करने उतरी केयूके स्टार की ओर से उपकप्तान शमशेर सिंह ने 27 गेंदों में 2 छक्के व 6 चौके लगाकर 55 रन की अहम पारी खेली। दूसरे बल्लेबाज जोनी वत्स ने भी साथ निभाते हुए 23 गेंदों में 1 छक्का व 2 चौके लगाकर 31 रन बनाकर मैच को आसान बना दिया। अमीर खान ने 18वें ओवर की अंतिम गेंद पर गगनचुम्बी छक्का लगाकर अपनी टीम को जीत दिला दी। शानदार बल्लेबाजी के लिए शमशेर चौहान को मैन ऑफ द मैच का खिताब दिया गया। इस जीत के साथ केयूके स्टार इलेवन फाइनल में प्रवेश करने वाली पहली टीम बन गई है।

आंगनवाड़ी वर्कर एवं हेल्पर यूनियन 20 को प्रदेश में जिला मुख्यालयों पर करेगी प्रदर्शन

कुरुक्षेत्र। बैठक को संबोधित करती प्रधान कलावती।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

भारतीय मजदूर संघ से संबंद्ध आंगनबाड़ी वर्कर एवं हेल्पर यूनियन रजि॰ 1203 ने यूनियन की प्रदेश सचिव व जिला प्रधान कलावती की अगुवाई में बैठक कर अपनी मांगें पूरी न किए जाने के विरोध में 20 फरवरी को प्रदेश में सभी जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है। यूनियन की प्रदेश सचिव व जिला प्रधान कलावती ने कहा कि कई बार सरकार व विभाग के उच्चाधिकारियों को मांग पत्र व नोटिस भेजा था, लेकिन उन नोटिसों पर विभाग का कोई सकारात्मक रख सामने नहीं आया। जिसके चलते विरोध प्रदेश में सभी जिला मुख्यालयों पर 20 फरवरी को सभी आंगनबाड़ी व वर्कर प्रदर्शन करेगी। यदि उसके बाद भी विभाग ने उनकी मांगें नहीं मानी तो यूनियन प्रदेशव्यापी आंदोलन चलाने से भी गुरेज नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा आंगनबाड़ी वर्करों पर नित नए आनलाइन काम सौंपे जा रहे हैं, लेकिन काम के हिसाब से संसाधन उपलब्ध नहीं कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा आंगनबाड़ी वर्करों को आनलाइन काम करने के लिए जो मोबाइल दिए गए हैं, उनकी गुणवत्ता खराब है और वे आनलाइन काम करने में सक्षम नहीं हैं।

मांग हरियाणा सरकार से मेंबर नामजद करने के लिए जल्द से जल्द कानून बनाने की अपील

गुरुद्वारा साहिबान का प्रबंध सुचारु ढंग से चलाने के लिए लिया निर्णय

हरियाणा कमेटी का हाऊस पूरा न होने तक पुरानी कार्यकारिणी ही संभालेगी सेवा : भूपिंदर सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

नवनिर्वाचित हाऊस पूरा न होने व मैंबर साहिबान द्वारा शपथ लेने तक हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमैंट कमेटी की पुरानी कार्यकारिणी ही सेवा संभाल करेगी। गुरुद्वारा साहिबान का प्रबंध सुचारु ढंग से चलाने के लिए यह निर्णय लिया गया है। शनिवार को हरियाणा कमेटी के कुरुक्षेत्र हैड ऑफिस में संस्था के प्रधान जत्थेदार भूपिंदर सिंह असंध ने इस बाबत जानकारी दी। उन्होंने पत्रकारों से मुखातिब होते हुए बताया कि जब तक हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमैंट कमेटी का हाऊस पूरा करने के लिए 9 मैंबर साहिबान नामजद नहीं किए जाते और मैंबर साहिबान शपथ नहीं ग्रहण कर लेते तब तक पुरानी कार्यकारिणी ही सेवा संभाल करेगी। उन्होंने बताया कि इस बारे में गुरुद्वारा चुनाव आयोग के चेयरमैन जस्टिस एचएस भल्ला ने इस संदर्भ में स्थिति स्पष्ट की है। उन्होंने पुरानी कार्यकारिणी समिति एवं मैंबर साहिबान से सेवा संभाल करने की अपील की। उन्होंने हरियाणा सरकार से मैंबर नामजद करने के लिए जल्द से जल्द कानून बनाने की भी अपील की। इस दौरान उनके साथ धर्म प्रचार चेयरमैन जत्थेदार बलजीत सिंह दादूवाल व महासचिव सुखविंदर सिंह मंडेबर भी मौजूद रहे। जत्थेदार बलजीत सिंह दादूवाल ने कहा कि शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी श्री अमृतसर में मैंबर नामजद करने के लिए वर्ग का कोई जिक्र नहीं है, लेकिन हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमैंट कमेटी के एकट के अनुसार नामजद किए जाने वाले मैंबर साहिबान में कैटेगरी रखी गई है, मगर इसके लिए कानून नहीं बना है। इसके अनुसार दो मैंबर जरनल वर्ग, दो महिलाएं, हरियाणा सरकार के पास पंजीकृत्त सिंघ सभाओं से दो और तीन मैंबर एससी व बीसी वर्ग से चुने जाने हैं। उनके मुताबिक मैंबर नामजद करने के लिए कानून बनाने के लिए अब हॉऊस पूरा करने में समस्या आ रही है। इसलिए जब तब मैंबर नामजद करने के लिए सरकार द्वारा कानून नहीं बनाया जाता और नवनिर्वाचित मैंबर साहिबान शपथ ग्रहण नहीं कर लेते तब तक पुरानी कार्यकारिणी ही सेवा संभाल करेगी। उन्होंने मीडिया के माध्यम से पुरानी कार्यकारिणी व मैंबर साहिबान से प्रबंध की सेवा संभाल करने की अपील की। उन्होंने बताया कि 20 फरवरी को हरियाणा कमेटी के नवनिर्वाचित मैंबर साहिबान हरियाणा के मुखयमंत्री नायब सिंह सैनी को मैंबर नामजद करने के लिए कानून बनाने संबंधी एक ज्ञापन भी देंगे।

कुरुक्षेत्र। पत्रकारों से बातचीत करते हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमैंट कमेटी के प्रधान जत्थेदार भूपिंदर सिंह असंध व धर्म प्रचार चेयरमैन जत्थेदार बलजीत सिंह दादूवाल व महासचिव सुखविंदर सिंह मंडेबर।

मेंबर नामजद होने तक पुरानी कार्यकारिणी ही करेगी कार्य : जत्थेदार बलजीत सिंह दादूवाल

हरियाणा कमेटी के हैड आफिस में पहुंचे धर्म प्रचार चेयरमैन जत्थेदार बलजीत सिंह दादूवाल ने भी पुरानी कार्यकारिणी के पदाधिकारियों व मैंबर साहिबान से सेवा संभाल की अपील की। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि जब तक हरियाणा कमेटी के 9 मैंबर नामजद नहीं किए जाते और हाऊस पूरा होने तथा शपथ ग्रहण समारोह न होने तक पुरानी कार्यकारिणी ही संस्था में कार्य करेगी। उन्होंने जानकारी दी कि पंचकूला में गुरुद्वारा चुनाव आयोग के चेयरमैन जस्टिस एचएस भल्ला का इस बारे में बयान भी आया है कि गुरुद्वारा साहिबान का प्रबंध सुचारु ढंग से चलाने के लिए जब तक हरियाणा कमेटी का हाऊस पूरा करने के लिए 9 मैंबर नामजद नहीं किए जाते और उनके शपथ लेने तक पुराना हाऊस ही काम करेगा।

खबर संक्षेप

नारायणगढ़ में नेशनल लोक अदालत 8 मार्च को

अंबाला। विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं सीजेएम प्रवीन ने बताया कि नेशनल लोक अदालत का आयोजन जिला न्यायालय व सब डिवीजन नारायणगढ़ की अदालतों में 8 मार्च 2025 को किया जाएगा। इसके अतिरिक्त स्थाई लोक अदालत व उपभोक्ता अदालत में नेशनल लोक अदालत 7 मार्च 2025 को किया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए हेल्पलाइन नम्बर 0171-2532142 व 9991112660 पर संपर्क किया जा सकता है।

स्टैम मेले में छात्रों ने मॉडल प्रदर्शित किए

बराड़ा। राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सैकेंडरी स्कूल में स्टैम मेला 2025 का आयोजन किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने विज्ञान और गणित पर आधारित विभिन्न प्रोजेक्ट एवं मॉडल की प्रदर्शनी लगाई। स्टैम मंच के अंतर्गत आयोजित इस मेले में स्कूल के सभी विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों ने चार्ट एवं अन्य सहायक साधनों के माध्यम से अपने प्रोजेक्ट की ज्ञानवर्धक जानकारी सांझा की। प्रधानाचार्या मंजू बाला ने कहा कि यह मेला सरकार द्वारा चलाए जा रहे उत्कृष्ट शैक्षिक कार्यक्रमों में से एक है।

युवक की हत्या की गुत्थी सुलझी, आरोपी काबू

अंबाला। बरौली रोड पर बरसोत नदी के पुल पर मिले 22 वर्षीय दीपांकर के ब्लाइंड मर्डर की गुत्थी सुलझ गई है। मई माह में जब शव मिला था तो परिजनों ने इत्तेफाकन मौत की कार्रवाई करवाई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद हत्या का खुलासा हुआ था कि ईंट व पत्थर से सिर व कंधे पर वार हुआ था। इस मामले में नारायणगढ़ पुलिस ने करीब नौ माह बाद आरोपी रजत को काबू किया है। पकड़ा गया आरोपी मृतक दीपांकर का ही दोस्त है। इस मामले में अंकित कुमार उर्फ चौटाला को भी नामजद कर रखा है। अभी तक उसकी गिरफ्तारी नहीं हुई है।

बंदियों को मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में बताया

कुरुक्षेत्र। जिला एवं सत्र न्यायधीश आराधना साहनी के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कुरुक्षेत्र के सीजेएम एवं सचिव नितिन राज द्वारा स्वास्थ्य सखी : मासिक धर्म स्वच्छता हेतु बाधाओं को तोड़ना पर जागरुकता कैंप लगाए गए है। इसके तहत जिला कारागार में यह कैंप लगाया गया और महिला बंदियों को डॉ आरती द्वारा मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में बताया गया।

रेलवे स्टेशन पर नियुक्त किए 10 सफाई कर्मचारी

कुरुक्षेत्र। सांसद नवीन जिंदल के प्रयास से कुरुक्षेत्र रेलवे स्टेशन पर रेलवे ने 10 अतिरिक्त कर्मचारियों को साफ सफाई के लिए तैनात किया है। इसके अलावा स्टेशन पर सफाई इंप्रेस्ड को 30 हजार से बढ़ाकर 60 हजार करने के लिए भी प्रक्रिया शुरू कर दी है। जिसकी जल्द मंजूरी मिलने की संभावना जताई जा रही है। रेलवे महाप्रबंधक अशोक कुमार वर्मा ने बताया कि 13 अन्य क्लस्टर स्टेशनों पर मशीनीकृत सफाई और हाउसकीपिंग का ठेका देने का प्रस्ताव भी शुरू किया गया है।

किसी अन्य दल ने नहीं दिखाई चुनाव को लेकर दिलचस्पी

मेयर चुनाव में भाजपा ने सैलजा तो कांग्रेस ने अमीषा को मैदान में उतारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

नगर निगम में मेयर के उपचुनाव को लेकर भाजपा-कांग्रेस में इस बार आमने सामने की सीधी टक्कर होगी। किसी अन्य दल ने इस बार मेयर उपचुनाव को लेकर दिलचस्पी नहीं दिखाई है।

भाजपा ने इस बार मनोनीत निगम सदस्य एडवोकेट संदीप सचदेवा की पत्नी सैलजा सचदेवा को मैदान में उतारा है जबकि कांग्रेस ने पिछली बार हरियाणा डेमोक्रेटिक फ्रंट के बैनर तले मेयर चुनाव लड़ चुकी अमीषा चावला को सर्वसम्मति से अपना प्रत्याशी घोषित किया है। विधायक निर्मल सिंह ने शनिवार को पार्टी नेताओं के साथ विचार विमर्श करने के बाद अमीषा चावला के नाम का ऐलान किया है। निगम चुनाव में मेयर पद के लिए पहली बार पंजाबी समुदाय से जुड़ी दो महिला उम्मीदवारों में कड़ी टक्कर होने की संभावना जताई जा रही है।

- कांग्रेस उम्मीदवार अमीषा कल करेगी नामांकन
- भाजपा प्रत्याशी ने दाखिल किया नामांकन

30 साल तक पार्टी की सेवा का मिला फल

भाजपा के वरिष्ठ नेता एडवोकेट संदीप सचदेवा 30 सालों से भाजपा से जुड़े हैं। उपचुनाव में भाजपा ने उनकी पत्नी सैलजा सचदेवा को मेयर की टिकट देकर उनकी सेवाओं का फल दिया है। एडवोकेट संदीप सचदेवा विधायक की टिकट के भी दावेदार थे। हालांकि पहले मेयर की टिकट के लिए भी सैलजा सचदेवा की दावेदारी बेहद मजबूत थी लेकिन तब पार्टी ने भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता डॉ. संजय शर्मा की पत्नी वंदना शर्मा को टिकट देकर मैदान में उतारा था। तब वंदना शर्मा को शिकस्त देकर पूर्व मंत्री विनोद शर्मा की पत्नी शक्ति रानी शर्मा मेयर बनी थी। अब शक्ति रानी शर्मा भाजपा की टिकट पर कालका से विधायक बन गई हैं। इसी वजह से मेयर की सीट खाली हो गई। इस बार भी वंदना टिकट की मजबूत दावेदार थे लेकिन पार्टी ने उनकी बजाय सैलजा सचदेवा पर दांव लगाया है।

एक दिन पहले ही टिकट मिलने के बाद शनिवार को सैलजा सचदेवा ने भाजपा उम्मीदवार के तौर पर अपना नामांकन पत्र दाखिल कर दिया। इस दौरान परिवहन एवं उर्जा मंत्री अनिल विज व पूर्व राज्यमंत्री असीम गोयल भी मौजूद थे। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से स्नातक सैलजा सचदेवा भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य है। पहली बार वे कोई चुनाव लड़ रही हैं। पति के साथ वे भी लंबे समय से भाजपा को अपनी सेवाएं दे रही हैं।

अंबाला। भाजपा की मेयर उम्मीदवार सैलजा सचदेवा नामांकन पत्र दाखिल करती हुई।

कांग्रेस ने सर्वसम्मति से लिया फैसला

मेयर के उपचुनाव को लेकर इस बार कांग्रेस के पास ज्यादा विकल्प नहीं थे। मेयर के दस महीने के कार्यकाल की वजह से ज्यादातर कांग्रेसियों ने चुनाव से अपने हाथ खींच लिए। इसी वजह से अब तत्कालीन सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा के मीडिया एडवाइजर रहे स्वर्गीय बिट्टू चावला की पत्नी अमीषा चावला को सर्वसम्मति से मेयर का उम्मीदवार बनाया गया। चार साल पहले भी अमीषा चावला मेयर का चुनाव लड़कर तीसरे नंबर पर रही थी। इस बार उनके पास कांग्रेस की टिकट है तो यह माना जा रहा है कि दोनों प्रत्याशियों में कड़ा मुकाबला होगा। विधायक निर्मल सिंह ने कांग्रेस भवन में आयोजित मीटिंग के बाद अमीषा के नाम का ऐलान किया। सोमवार को अमीषा के नामांकन पत्र दाखिल करने की बात कही जा रही है।

अंबाला। कांग्रेस उम्मीदवार अमीषा चावला विधायक निर्मल सिंह व अन्य नेताओं के साथ।

भाजपा उम्मीदवारों की सूची पर बवाल

अंबाला। अंबाला छावनी में सदर नगर परिषद चुनाव के लिए भाजपा की ओर से जारी उम्मीदवारों की सूची पर बवाल हो गया। शुक्रवार देर शाम जारी सूची में पार्टी ने पूर्व निगम सदस्य स्वर्ण कौर को नगर परिषद चेयरपर्सन पद का उम्मीदवार घोषित किया था। साथ ही सभी 32 वार्डों से भी उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया गया था। इस सूची में परिवहन एवं उर्जा मंत्री अनिल विज के कई समर्थकों की टिकट कटने के बाद शनिवार को बवाल हो गया। टिकट कटने से नाराज ज्यादातर समर्थक विज के आवास पर जमा हो गए। टिकट आवंटन को लेकर इन समर्थकों ने पार्टी हाईकमान के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। हालांकि मुलाकात के बाद परिवहन मंत्री अनिल विज ने जारी सूची पर रोक लगाने की बात की। पता चला है कि समर्थकों के दबाव में विज ने तुरंत ही पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को ईमेल कर पूरे मामले से अवगत करवाया। इसके बाद जारी सूची पर रोक लगने की बात कही जा रही है। हालांकि अभी तक पार्टी की ओर से सूची होल्ड होने को लेकर कोई वक्तव्य जारी नहीं किया है। अंबाला सदर नगर परिषद चुनाव के लिए भाजपा की ओर से जारी सूची में सभी 32 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर दिया है। पता चला है कि इस सूची से ज्यादा विज समर्थक उम्मीदवारों को टिकट नहीं दी गई। जारी सूची में वार्ड नंबर 1 से भारत कोछड़, 2 से रीना, 3 से मोहित कौशिक, 4 से शिल्पा पासी, 5 से नानक चंद, 6 से उम्मेद राणा, 7 से शील नैन, 8 से रोहित गौड़, 9 से स्वाति कौशिक, 10 से प्रवेश सोबती, 11 से आंचल सैनी, 12 से सतीश धीमान, 13 से रितु शर्मा, 14 से नरेश कुमार शर्मा, 15 से भूपेश शर्मा, 16 से भोली बिंद्रा, 17 से रश्मि वर्मा, 18 से श्याम सुंदर अरोड़ा, 19 से गौरव सैनी, 20 से प्रियंका, 21 से बलिंद्र पाल, 22 से प्रमोद शर्मा, 23 से ललता प्रसाद, 24 से दिनेश नागर, 25 से शालिनी सोनकर, 26 से नरेश धवन, 27 से विजय, 28 से आशीष जायसवाल, 29 से नीतू, 30 से सुनील निढारिया, 31 से मीनू तुली, 32 से सुनीता कपूर शामिल है।

नगर परिषद चुनाव

परीक्षा से पहले छात्रों ने हवन में आहुतियां दी

- डीएवी पब्लिक स्कूल में विशेष हवन का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

डीएवी पब्लिक स्कूल में स्वामी दयानंद सरस्वती जन्म जयंती पखवाड़े के अंतर्गत शनिवार को दसवीं के विद्यार्थियों के लिए विशेष हवन यज्ञ का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को नैतिक एवं आध्यात्मिक बल प्रदान करना था, जिससे वे अपनी परीक्षाओं में आत्मविश्वास और सकारात्मकता के साथ सफलता प्राप्त कर सकें। हवन में पंडित नवीन आर्य ने वेद मंत्रों का उच्चारण कर विद्यार्थियों को आशीर्वाद दिया। प्राचार्य डॉ. राधा रमण सूरी ने विद्यार्थियों को परीक्षा नियमों का पालन करने, अनुशासित रहने और कठिन परिश्रम के महत्व को समझाया। स्वामी दयानंद जयंती पखवाड़े के अंतर्गत विद्यालय में कई दिनों से वेद प्रचार, नैतिक शिक्षा और प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी श्रृंखला में परीक्षा पूर्व यह हवन आयोजन किया गया, जिससे विद्यार्थियों को न केवल विद्या का बल मिले, बल्कि वे स्वामी दयानंद सरस्वती के विचारों से प्रेरित होकर राष्ट्रहित में योगदान देने वाले जिम्मेदार नागरिक बन सकें। हवन के पश्चात विद्यार्थियों को परीक्षा केंद्र तक सुरक्षित पहुँचाने हेतु विद्यालय प्रशासन द्वारा बसों की उचित व्यवस्था की गई।

इस शुभ अवसर पर शिक्षकगण और अभिभावक भी उपस्थित रहे जिन्होंने विद्यार्थियों को परीक्षा में सफलता हेतु प्रोत्साहित किया।

अंबाला। हवन में आहुतियां डालते जजमान व छात्र।

चेयरमैन के लिए दो उम्मीदवारों ने दाखिल कराए पर्चे

- सदर नप के सदस्य पर आठ ने दाखिल किए नामांकन पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

नगरपालिका चुनाव में चेयरमैन पद हेतु शनिवार को दो उम्मीदवारों ने अपने नामांकन पत्र दाखिल किए। नप सदस्य के लिए भी आठ उम्मीदवारों ने अपना पर्चा दाखिल किया है। रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम अमित भारद्वाज ने बताया कि नगरपालिका चुनाव के लिए नामांकन पत्र भरने की प्रक्रिया जारी है। नामांकन प्रक्रिया के चौथे दिन चेयरमैन पद के लिए वंदना कुमारी व रीटा रानी ने नामांकन पत्र भरा है। इसी प्रकार सदस्य पद के लिए वार्ड नंबर-16 से गुरजिंदर, पूजा रानी व अनु ने नामांकन पत्र दाखिल किया। इसी तरह वार्ड नंबर-7 से रीना कुमारी व राजकली, वार्ड नंबर 15 से सुरेश कुमार, वार्ड नंबर 12 से अनिता यादव, वार्ड नंबर 4 से प्रवेश कुमार, वार्ड नंबर 3 से रजनी धीमान ने नामांकन किया है।

नौ उम्मीदवारों ने दाखिल किया नामांकन

अंबाला। अंबाला सदर नगर परिषद के चुनाव के दृष्टिगत शनिवार को सदस्य पद के लिए 9 उम्मीदवारों ने एआरओ एवं तहसीलदार के समक्ष अपना नामांकन पत्र दाखिल किया है। इनमें वार्ड नंबर 11 से सोनिया व मिनाक्षी ने नामांकन दाखिल किया। इसी प्रकार वार्ड नंबर 12 से किरण वर्मा व परमदीप और वार्ड नंबर 5 से सुशील कुमार व जीवन कुमार ने नामांकन दाखिल किया। वार्ड नंबर 7 से गुरचरन सिंह, वार्ड नंबर 1 से हरमीत सिंह, वार्ड नंबर 3 से हरदीप सिंह ने नामांकन दाखिल किया है। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त अजय सिंह तोमर ने बताया कि जिलें में नगर निकाय चुनाव के दृष्टिगत नामांकन प्रक्रिया के तहत सभी तैयारियां की हुई हैं।

उन्होंने बताया कि 17 फरवरी तक नामांकन पत्र दाखिल किए जा सकते हैं। 18 फरवरी को नामांकन पत्रों की जांच होगी। उम्मीदवार 19 फरवरी को सुबह 11 बजे से 3 बजे तक नामांकन वापिस ले सकते हैं। इसी दिन 3 बजे के बाद प्रत्याशियों को चुनाव चिह्न आबंटित कर दिए जाएंगे। 19 फरवरी को ही चुनाव लडने वाले प्रत्याशियों की सूची मतदान केंद्रों पर चस्पा दी जाएगी। 2 मार्च को मतदान होगा और 12 मार्च को मतगणना का कार्य किया जाएगा।

बराड़ा। नप चुनाव के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल करती एक उम्मीदवार ।

राजकीय महाविद्यालय के 45 छात्रों ने किया रक्तदान

अंबाला। छावनी स्थित राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में यूथ रेड क्रॉस सेल, सड़क सुरक्षा समिति, एल्युमनी एसोसिएशन, एनजाम ब्रांच, एनएसएस एवं एनसीसी के संयुक्त तत्वधान में नमिशा फाउंडेशन ट्रस्ट के सहयोग से रक्तदान कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ से डॉक्टर्स की टीम पहुंची। इस कैंप का आयोजन महाविद्यालय प्राचार्य तथा उच्चतर शिक्षा विभाग के संयुक्त निदेशक प्रोफेसर डॉ. अजीत सिंह के मार्गदर्शन तथा नेतृत्व में किया गया। कैंप में मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय उप प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. देस राज बाजवा ने शिरकत की। मुख्य अतिथि ने कहा कि रक्तदान से बढ़कर कोई भी दान नहीं है तथा यह एक समाज सेवा भी है जिसके लिए हमे तत्पर रहना चाहिए। छात्रों तथा स्वयंसेवकों को इस कार्य में बढ़ चढ़कर भाग लेना चाहिए। यूथ रेड क्रॉस काउंसलर प्रोफेसर डॉ. नायब सिंह ने बताया कि इस कैंप में भारी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया। 45 विद्यार्थियों को रक्तदान के लिए उपयुक्त पाया गया। अंबाला कैंट की नमीषा फाउंडेशन से अनेक पदाधिकारियों ने भी इस कार्यक्रम में शिरकत की। फाउंडेशन के प्रधान राजेश कुमार ने बताया कि वह किसी न किसी बड़े संस्थान के साथ मिलकर प्रत्येक वर्ष रक्तदान शिविर करवाते हैं। महाविद्यालय की सड़क सुरक्षा समिति के कव्वीनर प्रोफेसर रविंद्र कुमार दुबला ने बताया कि जनसाधारण को रक्तदान व अंगदान के प्रति और अधिक जागरूक करने की आवश्यकता है और महाविद्यालय का यह कार्य सैकड़ो युवाओं को प्रेरणा देता है। वरिष्ठ प्राध्यापक गुरविंदर सिंह ने बताया कि महाविद्यालय में वर्ष रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाता है और प्रत्येक वर्ष रक्तदान के प्रति युवा में उत्साह विद्युत देखने को मिलता है।

एकल नृत्य में छात्राओं ने जमाया रंग

बराड़ा। शैमफॉर्ड विद्यालय के प्रांगण में शनिवार को अंतर सदनीय एकल नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता विद्यार्थियों की नृत्य प्रतिभा को मंच प्रदान करने और उनकी कलात्मक अभिव्यक्ति को निखारने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। कार्यक्रम में विद्यालय के चारों सदनों - शैम रेड, शैम गोल्ड, शैम ब्लू और शैम ग्रीन के प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने शास्त्रीय, फिल्मी, सांस्कृतिक, पश्चिमी और हिप-हॉप जैसी विभिन्न नृत्य शैलियों में शानदार प्रस्तुतियां दीं। उनके हावभाव, वेशभूषा, गीत चयन और समग्र प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल ने समय प्रबंधन, वेशभूषा, अभिव्यक्ति और प्रस्तुति के आधार पर प्रतिभागियों का निष्पक्ष मूल्यांकन किया। प्रतियोगिता में शैम रेड सदन की आराध्या जैन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान शैम ब्लू सदन की जान्या को मिला, जबकि तीसरे स्थान पर शैम रेड सदन की सायना और शैम ब्लू सदन की तपस्या रहीं। इसके अलावा, परी, दियाना शर्मा, इशप्रीत कौर और जसमीत कौर को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या रुबी शर्मा ने विजेताओं की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों के आत्मविश्वास और कला कौशल को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। यह आयोजन न केवल मनोरंजक रहा, बल्कि विद्यार्थियों के लिए एक प्रेरणादायक अनुभव भी बना।

एनआईईएलआईटी के सम्मेलन में नौकरियों पर एआई के प्रभाव की चर्चा

रोपड़/चंडीगढ़। राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईईएलआईटी) ने पंजाब के रोपड़ परिसर में संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और डिजिटल प्रौद्योगिकियों पर तीसरे एनआईईएलआईटी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का सफलतापूर्वक आयोजन संपन्न हुआ। दो दिवसीय कार्यक्रम में दुनिया भर से शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों, उद्योग पेशेवरों और छात्रों के समूह ने भाग लिया, जिससे सूचना, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार प्रौद्योगिकी के अत्याधुनिक क्षेत्रों में ज्ञान के आदान-प्रदान और सहयोग को बढ़ावा मिला। एनआईसीसीडीटी-2025 ने आईईसीटी के भविष्य को आकार देने में डिजिटल नवाचार, टिकाऊ प्रौद्योगिकी और अंतःविषय सहयोग के महत्व को रेखांकित किया। दूसरे दिन "कार्यबल परिवर्तनः नौकरियों पर एआई का प्रभाव" विषय पर पैनल चर्चा थी। पैनलिस्ट में एनएएसएससीओएम में आईटीज सेक्टर स्किल्स काउंसिल की पूर्व सीईओ कीर्ति सेठ, एनआईसी के वरिष्ठ निदेशक डॉ. अमित मिश्रा; ग्रीन यूनिवर्सिटी, श्रीलंका के एनएसबीएम की डॉ. थिलिनी डी सिल्वा; सुचामा एआई के सह-संस्थापक संजय शेखावत; अक्षय ऊर्जा मंत्रालय के वैज्ञानिक अरुण चौधरी शामिल थे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 9253681010, 9253681005

जीएमएन कॉलेज में बैडमिंटन प्रतियोगिता आयोजित

आकांक्षा और रोशन रहे प्रथम स्थान पर

- मानसिक मजबूती व अनुशासन को भी बढ़ावा देते हैं खेल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

जीएमएन कॉलेज के शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा कॉलेज ऑडिटोरियम में पुरुष और महिला छात्रों के लिए बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 32 खिलाड़ियों (16 लड़कियां और 16 लड़के) ने भाग लिया और अपने उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया। महिला वर्ग में बैडमिंटन मैच में 16 छात्राओं ने भाग लिया जिसमें बीकॉम द्वितीय वर्ष की आकांक्षा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। बीकॉम द्वितीय वर्ष की अंकिता ने द्वितीय स्थान और एमए पॉलिटिकल साइंस प्रथम वर्ष की कृतिका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पुरुष वर्ग में बैडमिंटन मैच में भी 16 छात्रों ने भाग लिया। इस कड़ी प्रतिस्पर्धा में बीसीए द्वितीय वर्ष के रोशन राणा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, बीसीए द्वितीय वर्ष के गोरांश लांबा ने द्वितीय स्थान तथा बीकॉम अंतिम वर्ष के मनीष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता के सफल आयोजन में शारीरिक शिक्षा विभाग के संयोजक बृजेश कुमार ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को मार्गदर्शन प्रदान किया और प्रतियोगिता को सुचारू रूप से संचालित किया। इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रोहित दत्त ने विजेताओं को बधाई दी और अन्य छात्रों को भी खेलों में सक्रिय भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि खेल न केवल शारीरिक विकास के लिए आवश्यक है, बल्कि मानसिक मजबूती और अनुशासन को भी बढ़ावा देते हैं। इस कार्यक्रम में डॉ. एसएस. नैन, डॉ. एसके पांड्ये, डॉ. राजेंद्र देशवाल, डॉ. अनुराधा और प्रो. तृप्ति शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने प्रतियोगिता में खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

अंबाला। प्रतियोगिता पर कब्जा जमाने वाले छात्र।

महिलाओं को स्वच्छता बरतने की दी जानकारी

अंबाला। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी प्रवीन की अध्यक्षता में गांव मटहेडी जट्टां स्थित आंगनवाड़ी भवन में मासिक धर्म स्वच्छता विषय पर प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इसमें पैनल अधिवक्ता कानूनी स्वयं सेवक सोनिया व कम्यूनिटी हेल्थ अधिकारी अवनिता मौजूद रही। कम्युनिटी हेल्थ अधिकारी अवनिता ने इस मौके पर उपस्थित महिलाओं को स्वच्छता बारे जागरूक करते हुए कहा कि हर महिला मासिक धर्म में स्वच्छता का पालन करें। अन्य महिलाओं को भी उसके प्रति जागरूक करें। उन्होंने कहा कि मासिक धर्म एक प्राकृतिक प्रक्रिया है , इससे किसी भी तरह की शर्मिंदगी या झिझक का कारण नहीं बनना चाहिए। मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता बनाए रखने के लिए सैनेटरी पैड, टेंपोन या मेंस्ट्रुअल कप का सही इस्तेमाल करना चाहिए। उन्होंने सभी से समाज के विभिन्न हिस्सों में रह रही महिलाओं विशेषकर किशोर लड़कियों को उस बारे में जागरूक करने के लिए प्रेरित किया।

बदलते दौर के साथ बदलती लाइफस्टाइल, शामिल होती टेक्नीक और नई सोच के आधार पर अलग-अलग जेनरेशन का नामकरण किया जाता रहा है। इसी सीरीज में विगत 1 जनवरी से जेनरेशन अल्फा को पछाड़कर, जेन बीटा वजूद में आया है। यह जेनरेशन अपनी पुरानी पीढ़ियों से कैसे अलग है, इसकी क्या खासियतें होंगी, जानना बहुत दिलचस्प है।

जेन अल्फा भी हुई पुरानी
आ गई जेनरेशन बीटा

{ कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम }

जेनरेशन बीटा यानी जेन बीटा का आगमन हो चुका है। विगत 31 दिसंबर 2024 को न्यू जेनरेशन की कुर्सी से जेन अल्फा को उतार दिया गया और 1 जनवरी 2025 को इस पर जेन बीटा को बैठा दिया गया। जो लोग कुछ कंफ्यूज हो रहे हों, उन्हें बता दें कि जेन बीटा एक अनुमानित पीढ़ी (हाइपोथीसियल टेक्नोजेनरेशन) है, जो 1 जनवरी 2025 से शुरू हो चुकी है और उसके पहले तक जो जेन अल्फा थी, वह भी एक अनुमानित पीढ़ी ही थी, जिसका वक्त 31 दिसंबर 2024 से खत्म हो गया।

डिफरेंट जेनरेशन का कॉन्सेप्ट

यह एक निश्चित समय अवधि के तकनीकी विकास, जीवनशैली, काम-काज, सोच और भविष्य दृष्टि को इस समय अवधि में पैदा होने वाली पीढ़ी के जरिए देखने का तरीका है। दूसरे शब्दों में यह समाजशास्त्रीय चश्मे से एक निश्चित समय अवधि और उस अवधि में पैदा हुए लोगों के जरिए दुनिया को देखने की नजर है। यह सिलसिला यूं तो पिछली सदी के 50 के दशक से ही शुरू हो गया था, जब उस दौर की नई पीढ़ी को हिप्पी या यिप्पीज के रूप में चिन्हित किया जाने लगा था। लेकिन सही मायने में 80 के दशक से यह सिलसिला शुरू हुआ, जब अलग-अलग समय अवधि को उस दौरान दुनिया में आई नई पीढ़ी के जरिए देखने की शुरुआत हुई। इसलिए इन पीढ़ियों के कृत्रिम विभाजन को इस तरह जानने और पढ़ने की कोशिश करनी चाहिए कि अलग-अलग दशकों की, अलग-अलग पीढ़ियों की आखिरकार खूबियां क्या हैं? कुल मिलाकर जब इस नजरिए से हम जेन बीटा की बात करते हैं तो फिलहाल इसका मतलब यह अनुमान लगाने से है कि जेनरेशन बीटा यानी 2025 से पैदा होने वाली नई पीढ़ी अपनी पुरानी पीढ़ियों से कैसे भिन्न होगी?

ऐसी होगी जेन बीटा

चूंकि जेनरेशन बीटा, पूरी तरह से सुपर टेक्नोलॉजी युग में पैदा हो रही है, इसलिए यह टेक्नोलॉजी में इनोवेटेड लाइफस्टाइल वाली जेनरेशन होगी। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, रोबोटिक, ऑगमेंटेड रिएलिटी/वर्चुअल रिएलिटी और लाखों तरह की स्मार्ट डिवाइसेस, इस पीढ़ी की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा होंगी। यह पहली ऐसी जेनरेशन होगी, जिसके सोचने, समझने, बर्ताव करने और समग्रता से जीवन जीने की सभी प्रक्रियाओं में टेक्नोलॉजी की भरमार होगी।

हाइपर कनेक्टेड जेनरेशन

जेन बीटा वह पीढ़ी होगी, जो लगभग पूरी दुनिया से एक साथ फिजिकल भी और वर्चुअल भी, एक ही समय पर कनेक्ट होगी। लेकिन संकट यह होगा, चूंकि इसने दोनों ही दुनियाओं को एक साथ एक ही समय में देखा है, इसलिए यह दोनों में बहुत फर्क नहीं कर पाएगी। यह पीढ़ी दोनों के साथ ही सहज होगी। साथ ही इस जेनरेशन की पहचान, किसी एक संस्कृति की न होकर मल्टी कल्चरल पीढ़ी की होगी। इंटरनेट और ग्लोबलाइजेशन के कारण न सिर्फ यह पीढ़ी, पुरानी किसी भी पीढ़ी के मुकाबले कहीं ज्यादा कल्चरल डायवर्सिटी और ग्लोबल थॉट के साथ बड़ी और खड़ी होगी बल्कि इसके लिए अपनी और पराई संस्कृति में उस तरह से फर्क कर पाना मुश्किल होगा, जैसे अब तक की पीढ़ियां करती रही हैं। इस जेनरेशन में हिंदी बोलने वाले इलाकों के युवाओं के गानों की भी पहली पसंद अमेरिकन और अफ्रीकन रैप हो सकती है और अमेरिकन यंगस्टर्स की भी पसंदीदा मिठाइयों में जलेबी और इमरती शामिल हो सकती है। क्योंकि इस नई बीटा जेनरेशन में कल्चरल अलगाव किसी भी स्तर पर उतना नहीं होगा, जैसा पहले होता रहा है।

ये भी होंगी इनकी खासियतें

यह जेनरेशन, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के व्यावहारिक दौर में पैदा होगी, उसी के साथ पलेगी-बढ़ेगी, शिक्षित होगी, हेल्थ और एंटरटेनमेंट की भागीदार भी होगी। यह जेनरेशन पिछली पीढ़ियों के मुकाबले टेक्नोलॉजी की समझ को लेकर इस तरह से अलग होगी कि पिछली पीढ़ियां, जहां नई टेक्नोलॉजी को समझने वाली थीं, वहीं यह पीढ़ी टेक्नोलॉजी को बदलने वाली होगी। इस पीढ़ी का एक और बड़ा फर्क सबको दिखाई देगा, वह है इस पीढ़ी की परिवार संरचना में आया जबर्दस्त बदलाव। यह पीढ़ी पूरी तरह से डिजिटल परिवार संरचना वाली होगी। इसका पारिवारिक गठन बेहद लचीला होगा, जहां पुरानी सामाजिक संरचनाएं करीब-करीब नहीं मिलेंगी।

कह सकते हैं कि 1 जनवरी 2025 से शुरू हुई जेन बीटा, जेन अल्फा (2010 से 2024) से तो मीलों आगे होगी ही। साथ ही अपनी पूर्वज पीढ़ियों जैसे एक्स, वाई, जेड से तो यह लगभग प्रकाशवर्ष के फासले पर होगी। इसके शायद ही कोई लक्षण उन पीढ़ियों से मिलेंगे। लब्बोलुआब यह कि जेन बीटा अब तक की सबसे मॉडर्न, सबसे ज्यादा ग्लोबल और जीवनशैली के मामले में सबसे तेज रफ्तार होगी। *

एन्वॉयर्नमेंट को लेकर होगी अवेयर

कुछ दशकों पहले तक इंसान को धरती की जिस एक चीज को लेकर बेहद संवेदनहीन देखा गया था, वह पर्यावरण हुआ करता था। पिछली सदी के 50 के दशक में तो जब दूसरे विश्व युद्ध के बाद युद्ध से तहस-नहस दुनिया के पुनर्निर्माण का दौर शुरू हुआ, तो इसकी सबसे बड़ी कीमत पेड़ों, जंगलों, नदियों और समुद्र आदि को चुकानी पड़ी। दरअसल, उस समय यह संवेदना ही नहीं थी कि विकास के लिए पेड़ों की अंधाधुंध कटाई, नदियों में हर तरह के गंदे और जहरीले पानी को बहाना कहीं से गलत भी है। इसी तरह समुद्र का अंधाधुंध दोहन आदि तो उस समय, विकास और प्रगति की निशानी थी। लेकिन जब इस सबकी अति हो गई तो पता चला कि इंसान ने अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मार ली है और फिर शुरू हुआ पर्यावरण के प्रति संवेदना जगाने का सिलसिला। लेकिन विकास और पर्यावरण विनाश के बीच वैचारिक रूप से फंसी बुनियादी पुरानी पीढ़ियां पर्यावरण के प्रति उतनी संवेदनशील नहीं हो सकती थीं, जितनी जरूरत थी। लेकिन यह जेन बीटा, पर्यावरण को लेकर बेहद संवेदनशील होगी। यह पैदा होने के साथ ही पर्यावरण के महत्व को समझने के लिए मजबूर होगी और शुरू से ही इसके अनुकूल जीवन जीने की कोशिश करेगी।

समझदारी से करनी होगी
जेन बीटा की पैरेंटिंग

टेक्नोबेस्ड लाइफस्टाइल के बढ़ते चलन की वजह से नई जेनरेशन के बच्चों की पैरेंटिंग भी किसी चैलेंज से कम नहीं है। जेन बीटा के बच्चों की पैरेंटिंग करते समय पैरेंट्स किन बातों का ध्यान रखें, आप सभी को जरूर मालूम होना चाहिए।

{ सजेशन
रजनी अरोड़ा }

इस साल की शुरुआत में मार्क मैक्रिंडल और वैज्ञानिकों द्वारा मानव जगत के इतिहास में नई पीढ़ी 'जेन-बीटा' की घोषणा की गई। यानी पहली जनवरी 2025 के बाद पैदा होने वाले बच्चों को जेन-बीटा का माना गया है। यह वो जेनरेशन है, जो हाई-टेक डिजिटल वर्ल्ड में जन्म ले रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), ऑटोमेशन, रोबोटिक्स, मेटावर्स और स्मार्ट डिवाइसेज उनकी जिंदगी का मुख्य हिस्सा होंगे। हालांकि जेन-बीटा के बच्चे दूसरों से अपेक्षाकृत अधिक स्मार्ट और बुद्धिमान होंगे। फिर भी उन्हें जिंदगी के विभिन्न पहलुओं के साथ सामंजस्य बिठाने में कई तरह की समस्याओं का सामना भी करना पड़ सकता है। ऐसे में निश्चय ही पैरेंट्स की जिम्मेदारी बढ़ जाएगी। उन्हें खुद अपडेट रहना होगा और पैरेंटिंग की अलग एप्रोच अपनानी होगी ताकि इन बच्चों की ओवरऑल डेवलपमेंट (शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक, सामाजिक विकास) अच्छी तरह हो सके।

बैलेंस्ड स्क्रीन टाइमः जेन-बीटा बच्चों को छुटपन से ही डिजिटल टूल्स और स्क्रीन का एक्सपोजर मिलेगा। वर्चुअल दुनिया में ज्यादा समय बिताने से उनके शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर हो सकता है। डिजिटल ओवरलोड के कारण बच्चों में फोकस की कमी, नींद की समस्या और आंखों की थकान बढ़ सकती है। ऐसे में पैरेंट्स को टेक्नो-बाउंड्रीज तय करनी होंगी। बचपन से ही बच्चों को स्क्रीन टाइम और रियल लाइफ में बैलेंस बनाने, नियमित रूप से डिजिटल डिटॉक्स करने, नो स्क्रीन जोन का पालन करने, सोने से एक घंटे पहले स्क्रीन बंद करने जैसी हेल्दी हैबिट्स विकसित करनी होंगी। स्क्रीन का उपयोग केवल मनोरंजन के लिए न करके, सीखने और रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए करना होगा। दोस्तों से मिलने-जुलने, आउटडोर गेम्स खेलने और फिजिकली एक्टिव रहने के लिए प्रोत्साहित करना होगा।

मेंटल हेल्थ का रखना होगा ध्यानः डिजिटल टेक्नोलॉजी के एक्सपोजर के कारण जेन-बीटा के बच्चों में स्ट्रेस, एंग्जाइटी, अकेलापन जैसी मानसिक समस्याएं बढ़ सकती हैं। पैरेंट्स को अपने बच्चों के भावनात्मक और मानसिक स्तर पर नजर रखनी होगी। दोस्ताना और ओपन कम्युनिकेशन का रवैया अपनाना होगा ताकि बच्चे अपनी भावनाओं और समस्याओं के बारे में खुलकर बात कर सकें। मानसिक रूप से संतुलित और शांत रहने के लिए उन्हें बचपन से ही माइंडफुलनेस आधारित एक्टिविटीज करने और नियमित मेडिटेशन करना सिखाना होगा।

सोशल स्किल्स को बढ़ावा देनाः संभव है कि जेन-बीटा के बच्चों के विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वर्चुअल फ्रेंड्स ज्यादा, असल जिंदगी में कम दोस्त होंगे। एआई चैटबॉक्स जैसे ऑनलाइन कम्यूनिकेशन टूल्स का ज्यादा इस्तेमाल करने की आदत उनमें हो सकती है। एकल परिवार के बढ़ते ट्रेंड और वर्किंग पैरेंट्स द्वारा पर्याप्त समय न दे पाने के कारण जेन-बीटा बच्चों में भावनात्मक जुड़ाव की कमी हो सकती है। जिसके चलते उन्हें नाते-रिश्तेदारों यहां तक कि हम उम्र बच्चों के साथ बातचीत करने, मिलने-जुलने या संबध स्थापित करने में दिक्कत आ सकती है। अकेलेपन का शिकार हो सकते हैं। इसलिए जेन-बीटा बच्चों में इमोशनल बॉन्डिंग और सोशल स्किल विकसित करने के लिए पैरेंट्स को बचपन से ही ध्यान देना होगा। न केवल रिश्तों और नैतिक मूल्य का महत्व समझाने के लिए नियमित तौर पर फैमिली टाइम बिताना होगा, बल्कि रियल वर्ल्ड में सोशल कनेक्शन बनाने को अहमियत देनी होगी। स्कूल में होने वाले कार्यक्रमों, ग्रुप एक्टिविटीज, आउटडोर एक्टिविटीज करने, दूसरे बच्चों के साथ खेलने, त्योहारों, फैमिली या सोशल गैदरिंग में ज्यादा से ज्यादा शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करना होगा।

क्रिएटिविटी को देना होगा बढ़ावाः जेन-बीटा बच्चों के लिए नई शिक्षण तकनीकों को अपनाना और इंटरैक्टिव लर्निंग तकनीक अधिक प्रभावी होगी। मेमोरी-बेस्ड लर्निंग के बजाय कॉग्निटिव स्किल्स विकसित करनी होगी। यानी रटने की बजाय समस्या को हल करने की क्षमता बढ़ाने और बच्चों में आजीवन सीखने की आदत डालनी होगी। क्रिटिकल-थिंकिंग, प्रॉब्लम-सॉल्विंग, इनोवेशन या क्रिएटिविटी का विकास करना होगा। इसके लिए पैरेंट्स को उन्हें पजल्स, प्रोजेक्ट, दिमागी कसरत वाली एक्टिविटीज ज्यादा करानी होंगी।

डिजिटल सेफ्टी की देनी होगी जानकारीः एआई के जमाने में जेन-बीटा बच्चे को सोशल मीडिया और इंटरनेट के खतरों का सामना भी करना पड़ सकता है। जिसका असर उनकी पर्सनालिटी और मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। इससे बचाने के लिए पैरेंट्स को उन्हें सोशल मीडिया का सही इस्तेमाल सिखाना होगा। उन्हें शुरू से ही साइबरबुलिंग, मिसइंफॉर्मेशन और प्राइवेसी कंसर्न जैसे ऑनलाइन खतरों के बारे में जागरूक करना होगा। पासवर्ड की सुरक्षा, अजनबियों से ऑनलाइन बात न करना, डाटा चोरी से बचाव जैसे साइबर सिक्योरिटी के बारे में जानकारी देनी होगी। *

(सर गंगा राम अस्पताल, नई दिल्ली में सीनियर साइकोलॉजिस्ट, डॉ. इमरान नूरानी से बातचीत पर आधारित)

{ गजल
डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग' }

बुरा लगता है हर मंजर

कसर छोड़ी नहीं हमने किसी की कद्रदानी में
बुरा लगता है हर मंजर जियादा बद्गुमानी में

समय से पहले मुरझाने लगीं कलियां गुलिस्तां में
नहीं महफूज है खुशबू किसी भी इत्रदानी में

हजारों लहरें इठलाती हैं बलखाती हैं मर्जी से
किनारे चाह कर भी बह नहीं पाते रवानी में

किसी की दास्तां में हम शुरू से आखिर तक थे
कहें क्या रह गए गुमनाम अपनी ही कहानी में

गुलामों के सिवा कोई नजर आया नहीं अब तक
मिला ना एक भी खुद्दार हमको राजधानी में

भरी है गंदगी पूरे शहर में इन दिनों 'नवरंग'
टिकी है सबकी उम्मीदें फकत इक रातरानी में

{ कहानी
शुभदा मिश्र }

उसके एक कान का टॉप्स कहीं गिर गया, वह खोए टॉप्स की गहरी चिंता में डूब गई। ऐसी डूबी कि कुछ और सूझ ही नहीं रहा था। एक मनोवैज्ञानिक कहानी।

मनमीत रे

मेरा जी धक से रह गया!

डॉ. सक्सेना के क्लीनिक में बैठी थी मैं। ठंड की सुबह। गर्म शॉल से स्वयं को अच्छी तरह ढंके हुए कि सिर से शॉल सरक गई। मैंने सिर फिर ठीक से ढंकना चाहा कि मेरा हाथ कान को छू गया। दाहिना कान। मुझे लगा कि कान का टॉप्स नहीं है। टॉप्स यानी कर्णफूल। मैंने कान अच्छे से टटोला। बायां कान भी टटोल लिया। बाएं में था टॉप्स। दाएं में नहीं।

तत्क्षण शॉल उतार कर देखा। झाड़कर देखा। अपनी साड़ी, ब्लाउज सब अच्छी तरह टटोल कर देखा। शायद कहीं उलझ गया हो। आस-पास देखा। सोफे के नीचे देखा। कहीं गिर गया हो। नहीं कहीं नहीं था। मरीजों से भरा हॉल। सब अपनी परेशानियों में डूबे। गंभीर माहौल। मेरी हलचलों से गंभीरता भंग होती। सो फिर से शॉल अच्छी तरह ढंक सिर झुकाकर बैठ गई। सदमे में घिरी।

कहां गिरा होगा, वह नन्हा-सा चमकीला टॉप्स। घर से निकल कर ऑटो में बैठते समय। ऑटो से उतर कर स्टेशन में। स्टेशन से प्लेटफॉर्म में, ट्रेन में। यहां रायपुर पहुंच कर ट्रेन से उतरते समय, ऑटो में बैठ यहां क्लीनिक आते समय। हर जगह, हर कदम पर तो भीड़-भाड़। हड़बोंग। गिर गया होगा, वह बटन सा छोटा। वस्तु कैसे कह दूं मैं। तिलिस्म है वह तो। अनजान चेहरों की सुंदरता बढ़ाने वाला। असुंदर चेहरों में भी सुंदरता ला दे। निश्चय ही वह किसी सिद्ध कलाकार की गढ़ी कलाकृति। हाय, कहां गया! उस एक अकेले की तो कोई कीमत भी नहीं। पता होता, कहां गिरा है, तो दूसरा भी टपका देती। किसी के काम तो आता।

अपना सदमा और उसकी अंधेरी नियति! अवसाद के काले जल में डूब गई मैं। टॉप्स मां ने दिए थे। मां के आशीर्वाद की तरह साथ लगे रहते। दुख की मारी ऐसे ही आस-पास, बाजार हाट, कहीं भी चली जाती। पर जब किसी 'शुभ मंगल' कार्यक्रम में जाना होता तो मुझे स्वयं अखरने लगता। लगता, सूने कान चेहरे को और सूना बना रहे हैं। कोई पूछ भी देती, 'कानों में कुछ पहना क्यों नहीं?' एक शरारती ने तो एक बार चर्चा ही छेड़ दी कि कानों के जेवर नारी मुखड़े के आवश्यक अंग हैं। गले में चाहे हीरे का हार पहन लो, पर कान सूना, तो हार बेकार।

अजूबाओं को छोड़ दें, तो हर धर्म, हर जाति, हर उम्र की महिलाएं कानों में कुछ न कुछ पहनती हैं, चाहे वह डॉक्टर हों, नर्स हों, पुलिस या सेना में हों, चाहे वह मंत्री ही क्यों न हों। और मेरा मन भी कहने लगा कि वाकई मुझे कान में पहनना चाहिए। मैं एक महिला आभूषण विक्रेता के पास पहुंची कि मुझे मेरी उम्र और व्यक्तित्व के अनुरूप कोई छोटा सा टॉप्स दें। ज्यादा कीमती न हो। उसने बहुत खोजकर इस टॉप्स की जोड़ी को निकाला। बटन-सा छोटा। गोल। परिधि में ज्योति बिंदु से चमकते श्वेत नग। केंद्र में दमकता लाल नगीना। आश्वस्त किया, 'सोने का नहीं है, पर सोने से कम भी नहीं है मैम।'

मैंने देखा, मां के उस खानदानी जड़ाऊ टॉप्स-सा तो नहीं ही, पर है बेचारा एक अच्छा विकल्प।

मैंने उस विकल्प को समुचित आदर दिया। कहीं जाऊं तो प्रेम से पहन लेती। इधर काफी दिनों से मैं बाहर कहीं आती-जाती नहीं थी। वजह थी, पैरों में तकलीफ। जाना जरूरी हो तो किसी को साथ लेना पड़ता। मुझे अपने आस-पास के लोग बहुत व्यस्त नजर आते। बच्चे, बूढ़े, जवान, सभी। पर वे कहते, 'अकेले जाने का खतरा मत उठाइएगा, हमें खबर कर दीजिएगा।' मैं कहती, 'आप लोग बहुत व्यस्त रहते हैं।' उनका कहना होता, 'इससे क्या, हम समय निकाल लेंगे।' मैं और भी संकोच में पड़ जाती। ये अपने कारोबार से, बीवी-बच्चों से, अपने जरूरी कार्यक्रमों से समय निकालेंगे। मेरे कारण। यह ठीक नहीं। सो मैं जहां जाना जरूरी होता तो किसी को बिना बताए निकल जाती। अभी भी मैं बिना किसी को बताए चली आई थी।

डॉक्टर के पास आना बहुत जरूरी था। कारण आंखों में भीषण तकलीफ। महीने भर से धुंधला दिखने लगा था। अक्षर तो पढ़े ही न जाते। काले धब्बे दिखते। आंखों के भीतर सुई-सा चुभता रहता। सूजन अलग। स्थानीय डॉक्टरों ने जवाब दे दिया। रायपुर आना पड़ा डॉक्टर सक्सेना के पास। वह प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ हैं। मुलाकात के लिए पहले से ही समय लेना पड़ता है। लिया समय। पहुंची। मरीजों की भीड़। एक तरफ बैठ गई और मुझे घेर लिया टॉप्स के सदमे ने। 'हाय कहां पड़ा होगा बेचारा धूल गर्द खाता। कुछ आभास हो जाए तो अभी दौड़ कर ढूंढ़ लाऊं... कहां होगा...कहां', तभी नर्स ने नाम पुकारा, 'रोशन भाई।' मेरे बगल वाला मरीज उठ कर भीतर गया।

'अरे बाप, इसके बाद मेरा नंबर। मुझे तो कुछ याद ही नहीं आ रहा है डॉक्टर को क्या बताना है।' मेरे दिमाग में तो छाया हुआ है टॉप्स। टॉप्स-टॉप्स और टॉप्स। कैसे छूटे ये टॉप्स? कि जैसे मन ही बोल उठा, 'सच में किसी सहेली को साथ लाना था मुझे।' सहेली होती तो समझाती, 'अरे ऐसा कौन-सा कीमती था। दूसरा ले लेना।' नहीं समझाती तो लताड़ती जमकर, 'इतनी ठंड में मुंह अंधेरे उठकर, गाड़ी-घोड़ा पकड़ कर, गिरते-पड़ते पहुंची हो डॉक्टर के पास। डॉक्टर को यही बताने के लिए कि डॉक्टर साहब मेरा टॉप्स खो गया। ऐसा सुंदर डॉक्टर साहब... कि उसके जैसा...। मूर्ख, एक-एक मिनट कीमती है डॉक्टर का। सैकड़ों लोग लाइन में लगे हैं। भड़केंगे तुम पर। चल बता... तकलीफ कब से शुरू हुई? धुंधला दिखना कब से शुरू हुआ? सूजन कब से आई? कौन सी दवाई डाली थी? पिछले डॉक्टर का पुर्जा...?'

और मैं जल्दी-जल्दी सोचने लगी... मुझे डॉक्टर को क्या-क्या बताना है। *

{ पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण }

निकट का कथा विशेषांक

लगभग दो दशक से प्रकाशित हो रही पत्रिका 'निकट' का नया अंक-40, कथा विशेषांक है। आकांक्षा पारे काशिव के अतिथि संपादन में आया यह अंक युवा, मध्य और वरिष्ठ पीढ़ी के लेखकों की कहानियों के सुंदर कोलाज जैसा है। वरिष्ठ कथाकार ममता कालिया की कहानी 'मक्खन खाना घातक है' वृद्धावस्था में भी क्षुद्र आकांक्षाओं से ग्रस्त एक अध्यापक की मनोस्थिति को सामने लाती है तो राजेंद्र दानी ने 'मौत की उलटबांसी' में मृत्यु के भय का सहज और सूक्ष्म मनोवैज्ञानिक विश्लेषण किया है। प्रियंका ओम ने अपनी कहानी 'सात साल उनतीस दिन' में अपने पति की क्रूरता को सालों सहने वाली एक स्त्री के मनो-कायांतरण का चित्र उकेरा है। सुशांत सुप्रिय की कहानी 'एक उदास सिंफनी' उदासी से भरी प्रेमकथा के समानांतर कई सामाजिक विमर्श को भी सामने लाती है। अन्य सभी कहानियां भी पठनीय हैं। कुल सत्रह कहानियों के अलावा प्रियदर्शन का नाटक 'एक दिन बदलेगा संसार देखना', विगत वर्ष साहित्य के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित लेखिका हान कांग पर रश्मि भारद्वाज के लेख समेत मार्टिन जॉन और सुभाष नीरव की लघुकथाओं से यह अंक और समृद्ध हो गया है। *

पत्रिकाः निकट-40 (कहानी विशेषांक),
संपादकः कृष्ण बिहारी, **मूल्यः** 50 रुपए

कल्चरल इवेंट / धीरज बसाक

हर साल की तरह इस साल भी ताज नगरी आगरा में होने वाले भव्य ताज महोत्सव की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। आगामी 18 फरवरी से 2 मार्च तक चलने वाला यह सांस्कृतिक महोत्सव, इस आयोजन का 34वां संस्करण होगा। इस भव्य आयोजन की महत्ता और इस बार की कुछ प्रमुख विशेषताओं पर एक नजर।

बहुरंगी संस्कृति की छटा बिखेरता भव्य ताज महोत्सव

ताज महोत्सव न केवल आगरा या उत्तर प्रदेश बल्कि समूची भारतीय संस्कृति की विविधता को संजोता है और विश्व पटल के सामने इसे प्रस्तुत करता है। इसलिए यह भले ताज महोत्सव के नाम से जाना जाता हो, लेकिन यह वास्तव में समूची भारतीय संस्कृति का विराट महोत्सव होता है। इसमें देश भर के लोक कलाकार और संगीत मर्मज्ञों के साथ हर तरह के कला रसिक आते हैं। इस कारण ताज महोत्सव हाल के दशकों में देश की संस्कृति को सहेजने, संवारने और दुनिया के सामने प्रस्तुत करने का महत्वपूर्ण आयोजन बन गया है। यही कारण है कि बड़ी संख्या में देशी-विदेशी पर्यटक ताज महोत्सव के दौरान यहां पर्यटन के लिए आना पसंद करते हैं। इस साल आयोजित होने वाले ताज महोत्सव की थीम है-धरोहर। जैसा कि थीम से जाहिर है, ताज महोत्सव में इस बार भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रमुखता से प्रस्तुत किया जाएगा।

दशकों से हो रहा आयोजन

गौरतलब है कि ताज महोत्सव की शुरुआत 1992 में उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा की गई थी और इसका उद्देश्य भारतीय कला और संस्कृति की विश्व स्तर पर छटा बिखेरने के साथ-साथ ताजमहल देखने आने के लिए देसी-विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करना था। इतने वर्षों के बाद कहा जा सकता है कि यह महोत्सव आयोजन के अपने उद्देश्यों में सफल साबित हुआ है।

उत्कृष्ट हस्तशिल्प की प्रदर्शनी

ताज महोत्सव देश का विरल सांस्कृतिक महोत्सव है। इसकी कुछ विशिष्ट खासियतें हैं। आगरा में निर्मित कला और शिल्प ग्राम में आयोजित हस्तशिल्प प्रदर्शनी भी उनमें से एक है। यहां भारत के कोने-कोने से शिल्पकार अपनी उत्कृष्ट कलाकृतियों का प्रदर्शन करने आते हैं। सहारनपुर की लकड़ी के खिलौने और विभिन्न तरह की नक्काशी की हुई वस्तुएं, खुर्जा के मिट्टी के बर्तन, लखनऊ की चिकनकारी और वाराणसी की रेशम की साड़ियां करीब-करीब हर बार इस महोत्सव के मुख्य आकर्षण की वस्तुएं होती हैं।

जुटते हैं लोक कलाकार-संगीतज्ञ

ताज महोत्सव में देश भर के लोक कलाकार और शास्त्रीय संगीत के मर्मज्ञ अपनी प्रस्तुतियां देते हैं। इससे महोत्सव की शोभा और भी बढ़ती है। इसे देखने का आनंद लेने के लिए देश-दुनिया से बड़ी संख्या में कला और संगीत के कद्रदान यहां आते हैं। ताज महोत्सव वास्तव में भारत की विविध संस्कृतियों का अद्भुत संगम है।

पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद

कला और संगीत के साथ-साथ ताज महोत्सव, अपने लजीज व्यंजनों के प्रदर्शन के लिए भी जाना जाता है। इस महोत्सव में करीब-करीब सभी राज्यों के पारंपरिक व्यंजनों के स्टॉल लगाए जाते हैं, जहां महोत्सव में आए आगंतुक तरह-तरह के स्वादिष्ट व्यंजनों का स्वाद लेकर आनंदित होते हैं।

इस बार होगा काफी कुछ नया

इस बार का ताज महोत्सव कई नए कार्यक्रमों के साथ होगा, जो इसे पिछले वर्षों के मुकाबले और अधिक रोमांचक और दर्शनीय बनाएंगे।

इस महोत्सव में पहली बार इस साल बर्ड फेस्टिवल का आयोजन किया जाएगा। हॉट एयर बैलून शो भी इस महोत्सव का हिस्सा होगा। इसके अलावा ड्रोन शो, विंटेज कार रैली और पतंग महोत्सव का आयोजन भी इस बार इस महोत्सव में चार चांद लगाएंगे। पिछले कई सालों से इस महोत्सव में एक साहित्य कोना की भी जरूरत महसूस की जा रही थी। इस साल इस महोत्सव में साहित्य प्रेमियों के लिए भी विशेष कार्यक्रम होंगे। इस महोत्सव का एक बड़ा आकर्षण बॉलीवुड के प्रसिद्ध गायक कैलाश खेर भी होंगे, जो ओपेन स्पेस मंच पर अपनी सुरीली प्रस्तुति देंगे। सदर बाजार ओपेन स्पेस मंच, यमुना व्यू प्वाइंट, ताज व्यू गार्डन और आई लव सेल्फी प्वाइंट जैसे स्थानों पर भी इस बार महोत्सव के विभिन्न आयोजन संपन्न होंगे। हाल के सालों को देखें तो इस साल का ताज महोत्सव पहले से कहीं ज्यादा भव्य और कहीं ज्यादा विराट आयोजन होगा।

बड़ी संख्या में आते हैं पर्यटक

हाल के सालों में ताज महोत्सव के दौरान यहां पूरे साल में सबसे ज्यादा पर्यटक आते हैं। सच बात तो यह है कि पर्यटकों की भारी आवक को देखते हुए ही इस जश्न को अब पूरे 10 दिन मनाते हैं। पहले यह 10 दिनों तक चलने वाला महोत्सव नहीं होता था। लेकिन इसकी मांग जिस तरह से देशी-विदेशी पर्यटकों के बीच बढ़ी है, उस कारण यह महोत्सव देश की समृद्ध संस्कृति का पर्याय तो बन ही गया है, आगरा शहर की अर्थव्यवस्था का बड़ा स्रोत भी बनकर उभरा है। माना जाता है कि ताज महोत्सव के दौरान यहां बड़ी संख्या में देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों से आगरा शहर की आय में भारी वृद्धि होती है। *

तैयार है आयोजन स्थल

हर साल इस महोत्सव के लिए कई महीनों पहले ही भाग लेने वाले कलाकारों का चयन कर लिया जाता है और वे महोत्सव शुरू होने के पहले ही आयोजन स्थल शिल्पग्राम में पहुंचने लगते हैं। इस बार के ताज महोत्सव का आयोजन शिल्पग्राम के साथ-साथ ताज खेमा, ग्यारह सीढ़ी पार्क और फतेहपुर सीकरी सहित कई जगहों पर आयोजित होगा। जिलाधिकारी अरविंद मल्लप्पा बंगारी के मुताबिक आयोजन की सारी तैयारियों को पूरा कर लिया गया है। महोत्सव के दौरान हर तरह की सुरक्षा की चाकचौबंद व्यवस्था का इंतजाम भी किया जा चुका है।

चाहे आप किसी भी सेक्टर/कंपनी में जॉब करते हों, प्रमोशन और इंक्रीमेंट के लिए हार्ड वर्क के साथ-साथ और भी कई बातें मायने रखती हैं। कौन-सी हैं वो बातें, आप जरूर जानना चाहेंगे।

हार्ड वर्क + स्मार्ट स्ट्रेटजी ईजिली मिलेगा प्रमोशन

सेल्फ इंप्रूवमेंट

शिखर चंद जैन

अमित ने अपने कुलीग मुकुंद से जब निराश होकर कहा, 'यार, काम तो हम भी कम नहीं करते। बॉस के दिए हुए सारे प्रोजेक्ट्स टाइम पर पूरे कर देते हैं। फिर भी हम 3 साल से एक ही जगह अटके हुए हैं और यह जतिन हमेशा बाजी मार लेता है। 3 साल में उसे दो बार प्रमोशन मिल गया है। हमारी एक बार भी सैलरी नहीं बढ़ी, जबकि उसकी सैलरी दो बार बढ़ाई गई है।' इस पर मुकुंद ने कहा, 'यार तू समझता नहीं, जतिन काम करने के साथ-साथ उसका बखान भी खूब कर लेता है। यही उसका प्लस प्वाइंट है। जबकि तू चुपचाप काम करके निकल लेता है।'

मुकुंद की बात ध्यान देने वाली है। कॉर्पोरेट सेक्टर की जॉब में प्रमोशन, हार्ड वर्क के साथ-साथ खुद की अच्छी ब्रांडिंग और सही स्ट्रेटजी से मिलती है।

अपने वर्क को हाईलाइट करें: माना कि आप एक मेहनती एंप्लॉई हैं और मन लगाकर काम करते हैं। आप अपने बॉस द्वारा दिए गए कामों और जिम्मेदारियों को बखूबी अंजाम देते हैं। लेकिन इन सबके साथ सबसे जरूरी यह है कि आप जो कर रहे हैं, उसे आपका बॉस कैसे और कितना देख पा रहा है। बॉस को लगना चाहिए कि आप पूरी लगन और निष्ठा से ऑफिस का काम कर रहे हैं। आपको अपने काम का डॉक्यूमेंटेशन करना चाहिए और इसे शेयर भी करना चाहिए। टीम में हर किसी को लगना चाहिए कि आप कंपनी/संस्थान और अपने काम के प्रति समर्पित हैं।

खुद को विश्वसनीय बनाएं: प्रमोशन के लिए मेहनत के साथ लाइमलाइट में बने रहने और खुद को विश्वसनीय साबित करने की कला भी जरूरी है। जो लोग लगातार अपने एंप्लॉयर या बॉस की नजर में बने रहते हैं, उनके द्वारा जताई गई किसी भी चिंता या कंपनी की किसी भी समस्या में खुद आगे बढ़कर काम करने का साहस रखते हैं, उनके प्रमोशन की संभावना बहुत ज्यादा होती है। आपको अपने मैनेजर, एंप्लॉयर या प्रभावशाली अधिकारी के साथ बराबर टच में रहना चाहिए। उन्हें बताएं कि कैसे कंपनी से आप भावनात्मक रूप से जुड़े हुए हैं और कंपनी की तरक्की आपकी भी जिम्मेदारी बनती है। यकीन मानिए, इन बातों का जादुई असर होगा।

अपना फ्यूचर विजन शेयर करें: याद रखें किसी भी कंपनी का मालिक या मैनेजर हमेशा अपनी कंपनी को आने वाले समय के ट्रेंड, डिमांड और चुनौतियों के लिए अपडेटेड रखना चाहता है। आपको यह फ्यूचर फोकस्ड साइकोलॉजी समझनी होगी। अगर आप अपने टीम लीडर्स को यह जताने और बताने में कामयाब रहेंगे कि आप एक अपडेटेड एंप्लॉई हैं। लगातार फ्यूचर ट्रेंड, टेक्नोलॉजी और मार्केटिंग स्ट्रेटजी सीखते, समझते रहते हैं तो आप उनकी फेवरेट लिस्ट में रहेंगे। इसके लिए आपको इनकी जानकारी रखनी होगी और उनके साथ डिसकस और शेयर करते रहना होगा। इसका फायदा यह होगा कि वे भले ही आपकी सभी बातें न मानें लेकिन आपके प्रति उनके मन में भरोसा रहेगा और वह आपको प्रमोट करते रहेंगे।

स्पॉटलाइट में बने रहें: ह्यूमन साइकोलॉजी के स्पॉटलाइट इफेक्ट को समझें। इसके तहत आपको न सिर्फ अपनी टीम बल्कि पूरे ऑफिस के कुलीग्स के बीच एक ऐसे व्यक्ति की इमेज बनानी होगी, जो मिलनसार, विनम्र और मददगार स्वभाव का है। साथ ही खुद को एक स्मार्ट टेक सेवी, मेहनती और दूरदर्शी व्यक्ति, एक प्रॉब्लम सॉल्वर के रूप में प्रोजेक्ट करें। इससे कोई आपका समर्थन करे या ना करे लेकिन कोई विरोध नहीं करेगा। आप हमेशा लोगों की नजर में रहेंगे और स्पॉटलाइट में रहेंगे। यह स्ट्रेटजी आपके प्रमोशन में मददगार साबित होगी।

एक्सट्रोवर्ट होना जरूरी: जब आप इंट्रोवर्ट होते हैं, तो आपके बॉस के मन में आपको लेकर क्लेरिटी नहीं रहती है। आप चाहे जितने भी मेहनती क्यों न हों, उनकी नजर और उनके मन से आपका नाम हट जाता है। सुबह से शाम तक अपने ही केबिन में या अपनी चेयर पर न बैठे रहें। ऑफिस में आपको एक्टिव और विजिबल रहना चाहिए और दिन में एकाध बार बॉस या टीम मैनेजर से मिलना चाहिए। आपका स्मार्ट होना और दिखना दोनों जरूरी है। *

न्यू ट्रेंड

संध्या सिंह

आज घर के भीतर से लेकर बाहर हर कहीं बड़ी संख्या में टीनएजर्स और यंगस्टर्स हेडफोंस या ईयरबड्स लगाए देखे जा सकते हैं। इसका ट्रेंड बढ़ने की वजहों पर एक नजर।

यंगस्टर्स के स्टाइल स्टेटमेंट हेडफोंस और ईयरबड्स

हालांकि कोई बिल्कुल सटीक डाटा तो उपलब्ध नहीं है कि देश में कितने युवा हेडफोंस और ईयरबड्स का इस्तेमाल कर रहे हैं, लेकिन एक अनुमान के मुताबिक शहरों में रहने वाला हर दूसरा यंगस्टर और गांव में रहने वाला हर चौथा युवा, हेडफोन या ईयरबड का इस्तेमाल कर रहा है। जहां तक इसके इस्तेमाल के वैश्विक आंकड़े की बात है तो एक अध्ययन के मुताबिक साल 2023 के अंत में करीब 1 अरब टीनएजर्स और यंगस्टर्स, ईयरबड्स का इस्तेमाल कर रहे थे। दिल्ली, मुंबई, बैंग्लुरु, चेन्नई, पुणे, हैदराबाद और चंड़ीगढ़ जैसे महानगरों में देखें तो लगता है, घर से बाहर जाने वाला हर युवा कान में ईयरबड्स या हेडफोंस लगाकर रखता है।

वजहें हैं कई: हेडफोंस और ईयरबड्स को लेकर विश्व स्तर पर हुए अनेक अध्ययनों का निष्कर्ष यह है कि भारत या दुनिया के सभी हिस्सों में किशोरों और युवाओं के बीच इस कदर हेडफोंस और ईयरबड्स को लेकर बढ़ा लगाव, महज उनके संगीत प्रेम तक ही सीमित नहीं है बल्कि इसके पीछे कई तरह के दूसरे सामाजिक, तकनीकी और सांस्कृतिक कारण हैं। आइए, एक-एक करके इन्हें समझने की कोशिश करते हैं।

संगीत प्रेम: निःसंदेह आज की युवा पीढ़ी पिछली शताब्दी की कई पीढ़ियों के मुकाबले कहीं ज्यादा संगीत प्रेमी है। आज की युवा पीढ़ी संगीत को अपनी भावनाओं और व्यक्तित्व के साथ जोड़ती है। ये हेडफोंस और ईयरबड्स, उन्हें अपने पसंदीदा गानों को बिना किसी रुकावट और दूसरों को बिना डिस्टर्ब किए सुनने का अनुभव देते हैं, क्योंकि इनके जरिए युवा ऑन डिमांड म्यूजिक विभिन्न एप्स और म्यूजिक चैनलों के जरिए सुन सकते हैं।

फैशनबल लुक: ईयरबड्स और हेडफोंस आज की तारीख में यंगस्टर्स के फैशन स्टेटमेंट का हिस्सा भी बन गए हैं। एप्पल एयरपोड्स, बोएट और जेबीएल जैसे ब्रांड्स ने ईयरबड्स और हेडफोंस को कहीं ज्यादा स्टाइलिश और ट्रेंडी बनाया है। इसके साथ महंगे ईयरबड्स या हेडफोंस का इस्तेमाल करना युवाओं के लिए एक स्टेटस सिंबल भी बन गया है।

वर्चुअल इंटरेक्शन: वायरलेस टेक्नोलॉजी ने कनेक्टिविटी को बेहद आसान और बिना किसी तरह की परेशानी वाला बना दिया है। ब्लू टूथ की सुविधा ने सचमुच इस दौर में लोगों को भीड़ में अकेला कर दिया है। यही नहीं शोरगुल भरे परिवेश में भी न्वॉयज कैंसिलेशन जैसे फीचर्स ने म्यूजिक को पहले से कहीं ज्यादा आकर्षक बना दिया है। यही कारण है कि आज लोग चलते-फिरते अपने दूसरे कामों को बाधित किए बिना म्यूजिक का आनंद ले रहे हैं। साथ ही साथ तकनीकी सुविधाओं की वजह से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जो वीडियो सामग्री की सुविधा बढ़ी है, उसके चलते भी ईयरबड्स की मांग बढ़ गई है।

पर्सनल स्पेस और प्राइवेसी: बहुत से युवा सार्वजनिक स्थानों पर असहज महसूस करते हैं, इसलिए वे ऐसी जगहों पर अपने पसंदीदा म्यूजिक के साथ रहना पसंद करते हैं और यह तभी संभव है, जब अच्छी क्वालिटी के ईयरबड्स और हेडफोंस की उन्हें सुविधा हो। जो यंगस्टर्स, कई तरह के गैजेट्स के प्रति लगाव रखती है, उनके लिए ईयरबड्स भी एक गैजेट ही है। इन्हीं वजहों से यंगस्टर्स में इनका क्रेज बढ़ता जा रहा है। *

होते हैं कई नेगेटिव इफेक्ट्स

भले हेडफोंस और ईयरबड्स का शौक यंगस्टर्स को बहुत भाता हो, लेकिन इसके बहुत सारे नुकसान भी हैं। लगातार हेडफोंस और ईयरबड्स का अगर हम 85 डेसिबल से अधिक ध्वनि के साथ इस्तेमाल करते हैं तो डब्ल्यूएचओ (विश्व स्वास्थ्य संगठन) के अनुसार यह कानों की सेहत के लिए बेहद खतरनाक है। युवाओं के साथ समस्या यह है कि वो जरूरत से ज्यादा ऊंची आवाज में ही म्यूजिक सुनते हैं। इसलिए यह शौक उन्हें धीरे-धीरे बहरेपन या टिनिट्स समस्या की तरफ ले जा सकता है। इसका एक नुकसान यह भी है कि अकसर ईयरबड्स और हेडफोंस से लैस होने के कारण आजकल युवा, लोगों से बातचीत बहुत कम करते हैं, इस तरह उनका सोशल इंटरेक्शन बढ़ रहा है। कानों में लगातार ईयरबड्स पहनने से नमी बनी रहती है, जिस कारण यहां बैक्टीरिया पनपने का खतरा भी हर समय बना रहता है। कानों में दर्द, जलन, माइग्रेन और सिरदर्द की भी समस्या बढ़ सकती है।

खास मुलाकात

पूजा सामंत

मां बनने के बाद यामी गौतम फिल्मों में फिर से एक्टिव हुई हैं। नेटफ्लिक्स पर उनकी फिल्म 'धूम धाम' रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म में उनका रोल उनके नेचर से एकदम अपोजिट है, गाली-गलौज करने वाला। यामी के लिए यह रोल कितना चैलेंजिंग रहा? अब उनके पास कैसे रोल आ रहे हैं? खुली बातचीत यामी गौतम से।

अब मुझे स्ट्रॉन्ग कैरेक्टर ऑफर हो रहे हैं : यामी गौतम

यामी गौतम सिर्फ खूबसूरत एक्ट्रेस ही नहीं हैं, वह एक सुलझी हुई और अच्छी एक्ट्रेस भी हैं। उन्होंने अपनी फिल्मों 'आर्टिकल 370', 'काबिल', 'उरी : द सर्जिकल स्ट्राइक', 'चोर निकल के भागा', 'विकी डोनर' और 'दसवीं' में यह सिद्ध भी किया है। निर्माता-निर्देशक आदित्य धर से विवाह के बाद एक बेटे की मां बनीं यामी एक बार फिर फिल्मों में एक्टिव हुई हैं। हाल ही में उनकी फिल्म 'धूम धाम' नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई है। फिल्म में यामी ने 'नेवर बिफोर अवतार' में खुद को पेश किया है। पेश है यामी गौतम से हुई लंबी बातचीत के प्रमुख अंश-

इस शुक्रवार नेटफ्लिक्स पर आपकी फिल्म 'धूम धाम' रिलीज हुई है। इस फिल्म के बारे में कुछ बताएं।

इस फिल्म की कहानी बड़ी मजेदार है। इसे मेरे पति आदित्य धर ने लिखा है। इसे डायरेक्ट किया है ऋषभ सेठ ने। फिल्म में मेरे किरदार का नाम है कोयल चड्ढा, जिसकी शादी वीर पोद्दार (प्रतीक गांधी) से होती है। फिल्म में हमारी अरेंज्ड मैरिज होती है। हम एक-दूसरे के लिए बिल्कुल मिस-मैच्ड हैं। हमारी सोच, हमारी बोली, हमारे स्वभाव, हमारी आदतों में कोई समानता नहीं है। शादी के बाद ससुराल पहुंची कोयल और उसके पति वीर के बीच कैसी नोक-झोंक होती है, उनके कल्चरल डिफरेंसेस किस हद तक पहुंचते हैं, यह देखना दर्शकों के लिए काफी एंटरटेनिंग होगा।

फिल्म 'धूम धाम' में प्रतीक गांधी के साथ यामी गौतम

इस फिल्म में आपका किरदार जमकर गालियां देता है। पर्सनल लाइफ में गाली क्या, ऊंची आवाज में बात तक नहीं करतीं आप। ऐसे में कोयल चड्ढा जैसा अपोजिट किरदार निभाना आपके लिए कितना चैलेंजिंग रहा?

'धूम धाम' में कोयल का किरदार है ही ऐसा। वह स्ट्रेट फॉरवर्ड है, आज के जमाने की है, जो अपनी बोलचाल, व्यवहार में कोई शालीनता या मर्यादा नहीं रखती। वह अपने मन की रानी है, बहुत ही साहसी भी है। वक्त पड़ने पर वो हाथा-पाई भी कर लेती है। वह अपनी डेली लाइफ में गाली-गलौज करती है। गालियां देना उसकी आदत में है। कोयल को गलियां देने में कोई संकोच नहीं है। फिल्म 'धूम धाम' के कैरेक्टर की डिमांड के अनुसार मुझे गाली देनी थी। कोयल और मेरी पर्सनालिटी में जमीन-आसमान का फर्क है, मैंने अपनी जिंदगी में कभी मामूली-सी भी गाली नहीं दी। मैं इसमें कंफर्टेबल नहीं फील कर रही थी। फिल्म में मेरे पति बने प्रतीक गांधी मुझे कंफर्टेबल कराने के लिए कहते थे कि वे मेरी गालियों को नहीं सुन रहे हैं, जिससे मैं कूल होकर डायलॉग्स बोल सकूं।

मां बनने के बाद आप पर्सनल-प्रोफेशनल लाइफ में क्या चेंज फील करती हैं?

मां बनने की खुशी को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। मां बनने के बाद बायोलॉजिकल बदलाव लाजिमी हैं। इमोशनल स्तर पर भी एक स्त्री अधिक दयालु और सेंसिटिव हो जाती है। जहां तक प्रोफेशनल लाइफ की बात है, मां बनने के बाद एक एक्ट्रेस को अगर फैमिली से सपोर्ट मिले तो वह अपने बच्चे को वक्त देने के साथ-साथ अपने करियर पर भी फोकस कर सकती है। मां बनने के बाद मेरी जिंदगी में करियर के लिहाज से भी बहुत पॉजिटिव चेंज आए हैं। इन दिनों मेरे पास ऐसी फिल्मों के ऑफर आ रहे हैं, जो पहले कभी नहीं आए थे। मुझे अब पहले के मुकाबले स्ट्रॉन्ग कैरेक्टर यानी मीनिंगफुल वूमेन ओरिएंटेड रोल मिल रहे हैं। मेरी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ अब 360 डिग्री बदल चुकी है। मैं इसे सुखद बदलाव मानती हूं।

निर्माता-निर्देशक आदित्य धर के साथ आपने शादी से पहले भी फिल्म की है। अब वह आपके पति हैं, तो उनके साथ प्रोफेशनली कितना कुछ बदला है?

मैंने आदित्य के साथ 'उरी : द सर्जिकल स्ट्राइक' फिल्म में पहली बार काम किया। इस फिल्म के दौरान हम एक-दूसरे के प्रति कुछ स्पेशल फील करने लगे थे। आगे चलकर हमने शादी की फिर 'आर्टिकल 370' और अब 'धूम धाम' फिल्म साथ में की है। मैं हर अच्छी स्क्रिप्ट का हिस्सा बनना चाहूंगी। फैमिली में आदित्य, उनके भाई लोकेश धर और अब मैं, फिल्म लाइन से जुड़े हैं। कई बार डायनिंग टेबल पर फिल्मों के टॉपिक्स निकलते हैं। लेकिन जब आदित्य मुझे फिल्म का रोल ऑफर करते हैं, तो वो प्रॉपर चैनल से मेरे पास आता है। मेरी मैनेजर मुझे उनकी स्क्रिप्ट सुनवाती है। कहानी, किरदार अच्छे लगें तो ही मैं उस ऑफर को एक्सेप्ट करती हूं। *

कैसे हैं पति-पिता के रोल में आदित्य धर

यामी गौतम से यह पूछने पर कि उनके पति आदित्य धर एक पति और पिता के रोल में कैसे इंसान हैं, वह बताती हैं, 'आदित्य बहुत ही अच्छे पति और पिता हैं। आदित्य ग्रेट स्टोरीटेलर हैं। हमारे बेटे वेदाविद को आदित्य कहानियां सुनाते हैं। हालांकि अभी बेटा उनकी कहानियां समझ नहीं पाता है, लेकिन वो अपने पापा के हाव-भावों को निहारता है, उसे एंज्वॉय करता है। हर कहानी के साथ आदित्य बहुत प्यारे-प्यारे एक्सप्रेशंस देते हैं। मैं भी अपना काम छोड़कर पिता-पुत्र दोनों को देखती रहती हूं। आदित्य और वेदाविद के बीच जो अद्भुत, प्यार भरा रिश्ता है, मैं भी उसे महसूस करती हूं।'